RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:258 ता. 05 अप्रेल 2024, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

वायुसेना के 'अपाचे' हेलीकॉप्टर की लद्दाख में इमरजेंसी लैंडिंग

- दोनों पायलट सुरक्षित, कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश जारी

लद्दाख (एजेंसी)। अटैक के मामले में दुनिया में सबसे मारक माने जाने वाले भारतीय वायु सेना के एक अपाचे हेलीकॉप्टर की लद्दाख में इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। इस दौरान दौरान दुर्गम इलाके और ऊंचाई के कारण हेलीकॉप्टर क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि विमान में सवार दोनों पायलट पूरी तरह से सुरक्षित हैं। दोनों पायलटों को पास के ही एयरबेस में ले जाया गया है। भारतीय वायुसेना ने अपाचे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग के सटीक कारण की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए हैं। वायुसेना के अनुसार, अपाचे हेलीकॉप्टर को तीन अप्रैल को लद्दाख में एक परिचालन प्रशिक्षण उड़ान के दौरान आपात स्थिति में उतारना पड़ा।

नई पीढ़ी की अग्नि 'प्राइम' मिसाइल का सफल परीक्षण

डीआरडीओ बोला-यह मिसाइल सभी मानकों पर उतरी खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सामरिक बल कमांड ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के साथ मिलकर बुधवार रात करीब सात बजे नई पीढ़ी की अग्नि प्राइम बैलेस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि यह परीक्षण ओडिशा तट के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप पर किया गया। परीक्षण के दौरान कई उपकरणों से इसकी निगरानी की गई। परीक्षण पूरी तरह सफल रहा और सभी मानकों पर खरा उतरा। टर्मिनल प्वाइंट पर तैनात दो डाउनरेंज जहाजों समेत दूसरे स्थानों पर तैनात कई रेंज सेंसर से कैप्चर डेटा से भी इसकी पुष्टि हुई है। इस सफल परीक्षण पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूरी टीम को बधाई दी है। डीआरडीओ के प्रमुख डॉ.समीर वी कामथ ने टीम के सहयोगियों और वैज्ञानिकों के

प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। इस दौरान प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, सामरिक बल कमांड के प्रमुख और डीआरडीओ तथा सेना के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मिसाइल के तीन सफल विकास परीक्षणों के बाद किया गया यह पहला प्री-इंडक्शन नाइट लांच था, जिसने सिस्टम की सटीकता और विश्वसनीयता की पुष्टि की। इससे पहले भारत ने पिछले महीने न्यूक्लियर बैलेस्टिक मिसाइल अग्नि-5 की पहली फ्लाइट की सफल टेस्टिंग की थी। यह मिसाइल लंबी दूरी की मिसाइल थी, जिसे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने बनाया गया है। यह अग्नि सीरीज की 5000 किलोमीटर से अधिक की मारक क्षमता वाली सबसे लंबी दूरी की मिसाइल कही जाती है। अग्नि मिसाइलें 1990 के दशक की शुरुआत से भारतीय सशस्त्र बलों के शस्त्रागार में रही है। अग्नि 5 मिसाइल टेक्नोलोजी से भी लैस है। एक ही मिसाइल से सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित कई लक्ष्यों को निशाना बना सकता है। परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम इस अग्नि की मारक क्षमता 5,000 किमी से अधिक है, जो इसे लंबी दूरी की मिसाइल बनाती है और इसका उद्देश्य मुख्य रूप से चीन की चुनौती को विफल करना है। अब तक, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम के पास प्राइम मिसाइलें हैं। इन मिसाइलों को जमीन से या समुद्र से पनडुब्बी से लॉन्च किया जा सकता है। इजरायल के पास भी यह मौजूद है। इसे सड़क के माध्यम से कहीं भी ले जाया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

असत्य पर सत्य की जीत हुई...नवनीत की बल्ले-बल्ले

- सुप्रीम कोर्ट से जाति प्रमाणपत्र बहाल होने पर गदगद हुई बीजेपी कैंडीडेट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की अमरावती लोकसभा सीट से बीजेपी की कैंडीडेट नवनीत राणा को नामांकन दाखिल करने से पहले बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके जाति प्रमाण पत्र को सही ठहराया है। बॉम्बे हाई कोर्ट के जाति प्रमाण पत्र को रद्द किए जाने के बाद नवनीत राणा ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। राणा पिछली बार अमरावती लोकसभा सीट से निर्दलीय चुनी गई थीं। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित इस सीट से जीत हासिल करने के बाद नवनीत राणा के जाति प्रमाण पत्र को चुनौती दी गई थी। जिसके आधार पर उन्होंने चुनाव लड़ा था। इस बार नवनीत राणा बीजेपी के सिंबल पर अमरावती से चुनाव मैदान में उतरी हैं। नवनीत राणा ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि असत्य पर सत्य की जीत हुई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए अपनी प्रतिक्रिया साझा की है। नवनीत राणा की याचिका जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस संजय करोल ने फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने फरवरी 2024 में सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया था। नवनीत राणा इससे काफी खुश हैं।

केजरीवाल को सीएम पद से हटाने की याचिका खारिज

- दिल्ली एचसी बोला- लोकतंत्र को अपना काम करने देना चाहिए, याचिकाकर्ता एलजी के पास जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने की याचिका पर सुनवाई नहीं की। हाईकोर्ट ने कहा कि अदालत पहले भी ऐसी ही याचिका को खारिज कर चुकी है। डिवीजन बेंच के एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह ने कहा, अदालतों को चाहिए कि वो लोकतंत्र को

अपना काम करने दें। याचिकाकर्ता यानी हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता अपनी याचिका लेकर उप-राज्यपाल (एलजी) के पास जा सकते हैं। गुप्ता के वकील ने कहा कि हम याचिका वापस लेते हैं और अब एलजी के पास जाएंगे। उन्होंने दलील दी थी कि केजरीवाल ने संवैधानिक भरोसे को तोड़ा है। उन्हें मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है। हम यह कैसे घोषित कर दें कि सरकार नहीं चल रही है। एलजी इस पर फैसला लेने के लिए पूरी तरह समर्थ हैं। उन्हें हमारे निर्देश की जरूरत नहीं है। हम उन्हें सलाह देने वाले लोग नहीं हैं। कानून के लिहाज से जो सही होगा, एलजी वो करेंगे।

सावधान! तपने लगा सूरज, सताने लगी है 'लू'

- मौसम विभाग और सरकार दोनों कर रहे हैं सावधान, हो जाइए सतर्क
- कई क्षेत्रों में भीषण गर्मी, अधिकतम तापमान '43' सेल्सियस के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ठंड अपना आगोश समेट चुकी है। बेचारे वसंत का नामो-निशान मिट रहा है। इसलिए ठंड और गर्मी की दूरी मिट गई है। ठंड गई नहीं कि गर्मी आ गई। सूरज तपने लगा है। अभी हफ्ते, दस दिन पहले तक जो धूप प्यार लगा करती थी, वो आज जलाने लगी है। तपिश इतनी तेजी से बढ़ रही है कि मौसम विभाग से लेकर सरकार तक, हर ओर से चेतावनियां जारी की जाने लगी हैं। मौसम विभाग हमें सावधान कर रहा है कि लू की चपेट में आने से बचिए। विभाग ने अपने अनुमान में कहा, ओडिशा, झारखंड, रायलसीमा, पश्चिम बंगाल में गंगा के तटवर्ती इलाकों, तटीय आंध्र प्रदेश, पुड्डुचेरी के यनम और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 4 से 6 अप्रैल तक अलग-अलग स्थानों पर लू का प्रकोप रह सकता है। इसके साथ ही विदर्भ और तेलंगाना में 5 और 6 अप्रैल के दौरान अलग-अलग स्थानों में हीटवेव की स्थिति रहेगी। अचानक मौसम में आए बड़े बदलाव के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने तैयारियों की समीक्षा

की है। मंडाविया ने बुधवार को गर्मी से संबंधित बीमारियों के मैनेजमेंट के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों की समीक्षा करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की और राज्यों को आवश्यक दवाओं, आइस-पैक, ओआरएस, पीने के पानी के साथ-साथ जनता के लिए आईईसी एक्टिविटी को लेकर सुविधाएं बढ़ाने की सलाह दी। उधर ओडिशा सरकार ने स्कूलों में दोपहर की जगह क्लास लगाने का आदेश दिया है। ओडिशा सरकार ने भीषण गर्मी के कारण सभी स्कूलों में सुबह की कक्षाएं घोषित कीं। राज्य सरकार के निर्देशों के बारे में ओडिशा प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओपीईपीए) के राज्य परियोजना निदेशक अनुपम साहा ने कहा, राज्य में तेज गर्मी के अनुमान के कारण सरकार ने फैसला किया है कि स्कूल सुबह कक्षाएं चलाएंगे। साहा ने कहा, सभी स्कूलों को पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं और अगर कोई बच्चा गर्मी के कारण बीमार पड़ता है, तो उसे इलाज के लिए नजदीकी चिकित्सा सुविधा में ले जाया जाएगा। दूसरी तरफ, नंदनकानन चिड़ियाघर ने अपने जानवरों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए कदम उठाए हैं। जानवरों को कठोर परिस्थितियों से राहत देने के लिए एयर कूलर, स्प्रिंकलर और फलों के प्रावधान सहित विशेष उपाय लागू किए गए हैं। जैसे-जैसे देश भीषण गर्मी की चपेट में आ रहा है, आईएमडी ने दक्षिण भारत के कई राज्यों में संभावित हीटवेव की भविष्यवाणी की है।

जमुई में पीएम मोदी बोले-अब भारत घर में घुसकर मारता है

नीतिश ने कहा-नरेंद्र मोदी फिर प्रधानमंत्री बनेंगे, मैं कहीं नहीं जाऊंगा

जमुई (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जमुई के खैरा में सभा को 28 मिनट तक संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लालू के जंगलराज, भ्रष्टाचार और इंडी अलायंस पर निशाना साधा। पीएम ने कहा कि पहले आतंकी हमारे ऊपर हमला कर के चले जाते थे। कांग्रेस दूसरे देशों के पास शिकायत लेकर जाती थी। हमने कहा ऐसे नहीं चलेगा। आज का भारत घर में घुसकर मारता है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि ये चुनावी सभा है या विजय सभा है। उन्होंने चिराग पासवान और जमुई से कैंडीडेट उनके बहनोई को अपना भाई बताया। पीएम ने कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इन पार्टियों ने देश का नाम खराब किया है। राजद के लोग जमीनों पर कब्जा करते हैं। राजद सरकार में युवतियों को सड़क पर से उठा लिया जाता था। इस दौरान नीतीश ने

फिर से ये बात दोहराई कि प्रधानमंत्री जी मैं कहीं नहीं जाऊंगा। आपके साथ ही रहूंगा। पीएम मोदी और सीएम नीतिश 32 दिन बाद फिर एक साथ एक मंच पर हैं। इससे पहले औरंगाबाद में दोनों एक मंच पर नजर आए थे। सभा में मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने कहा कि नरेंद्र मोदी फिर देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने भी लालू सरकार के जंगलराज की याद दिलाई। कहा- पहले हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा होता था।

रामलला के दरबार में लग रही भक्तों की भीड़

- अब तक डेढ़ करोड़ श्रद्धालु लगा चुके हाजिरी, 1 लाख विदेशी भक्त भी

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में रामलला का दर्शन करने के लिए हर रोज करीब डेढ़ से दो लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। भीड़ को देखते हुए अयोध्या को पर्यटन नगरी के रूप मे विकसित करने की योजनाओं पर भी काम तेजी से चल रहा है। डिप्टी डायरेक्टर पर्यटन आरपी यादव के मुताबिक, भव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के संपन्न होने के बाद 22 जनवरी से अब तक करीब डेढ़ करोड़ श्रद्धालु रामलला का दर्शन करने पहुंचे हैं। इसमें करीब 1 लाख विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। रामनवमी में भी 40 लाख श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने का अनुमान है। आरपी ने बताया कि इस समय भी रोजाना डेढ़ लाख से दो लाख पर्यटक अयोध्या पहुंच रहे हैं।

संदेशखाली पर कोलकाता हाईकोर्ट ने दिखाई सख्ती

- कहा-जिम्मेदारी सत्ताधारी पार्टी की है, जमकर लताड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली मामले को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने ममता सरकार को फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि जो कुछ संदेशखाली में हुआ है बहुत शर्मनाक है। कोर्ट ने कहा-'यह सरकार की जिम्मेदारी है, जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वहां की महिलाएं किस दुख से गुजर रही हैं। इसके लिए पूरी तरह से जवाबदेह सत्ताधारी पार्टी है।' संदेशखाली हिंसा पर दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को बंगाल सरकार को फटकार लगाई। मामले को बेहद शर्मनाक बताते हुए अदालत ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की खिंचाई करते हुए कहा कि अगर किसी नागरिक की सुरक्षा खतरे में है तो यह सरकार की100 फीसदी जिम्मेदारी है। कोर्ट ने कहा 'संदेशखाली में जो हुआ वह बेहद शर्मनाक है। संदेशखाली में जो हुआ उसके लिए पूरा जिला प्रशासन और सत्तारूढ़ दल नैतिक जिम्मेदारी ले।

राहुल की वायनाड रैली से मुस्लिम लीग के झंडे गायब

- लेफ्ट से लेकर राइट तक साध रहे निशाना, झंडे छुपाने का लगा रहे आरोप
- पिनाराई विजयन बोले-कांग्रेस में हिम्मत नहीं है, स्मृति ने कहा-राहुल शर्मिंदा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के वायनाड में बुधवार को नामाकंन भरने से पहले राहुल गांधी ने रोड शो किया था। इस रैली में कांग्रेस की सहयोगी पार्टी पार्टी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के झंडे के नजर नहीं आए। रैली में शामिल लोग सिर्फ तिरंगा लेकर चले। इसे लेकर लेफ्ट और भाजपा दोनों ही कांग्रेस पर निशाना साध रहे हैं। लेफ्ट नेता और केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि कांग्रेस में हिम्मत नहीं है कि वह मुस्लिम लीग के झंडे सबके सामने लहरा सके। कांग्रेस इस स्तर तक गिर चुकी है कि वह अब सांप्रदायिक ताकतों से डरने लगी है। कांग्रेस को मुस्लिम लीग के वोट

तो चाहिए पर उनके झंडे को अहमियत नहीं देना चाहती है। वहीं, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि राहुल के रोड शो में मुस्लिम लीग के झंडे छुपा के रखे गए थे। इससे ये साफ होता है कि या तो राहुल मुस्लिम लीग का सपोर्ट पाने से शर्मिंदा हैं या उन्हें इस बात की चिंता है कि जब वे उत्तर भारत का दौरा करेंगे और मंदिर जाएंगे, तो मुस्लिम लीग के साथ अपना रिश्ता नहीं छिपा सकेंगे। स्मृति ईरानी ने कहा कांग्रेस एसडीपीआई को भी स्वीकार कर रही है।

कांग्रेस प्रवक्ता रहे गौरव वल्लभ बीजेपी में शामिल

इस्तीफे में लिखा-पार्टी गलत दिशा में बढ़ रही

सनातन विरोधी नारे नहीं लगा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ गुरुवार को पार्टी से इस्तीफा देने के बाद भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने सुबह ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लेटर लिखकर इस्तीफा दिया था। गौरव ने खड़गे से कहा था कि वे न तो सनातन विरोधी नारे लगा सकते हैं और न ही सुबह-शाम देश के वेल्थ क्रिएटर्स को गाली दे सकते हैं। इसी वजह से पार्टी से इस्तीफा दे रहे हैं। कांग्रेस ने राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में गौरव वल्लभ को उदयपुर सीट से मैदान में उतारा था, लेकिन वे बीजेपी के ताराचंद जैन से 32 हजार से ज्यादा वोटों से हार गए थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लेटर लिखते हुए गौरव ने कहा, पिछले कुछ दिनों से पार्टी के स्टैंड से असहज महसूस कर रहा हूं। जब मैंने कांग्रेस पार्टी जॉइन की तब मेरा मानना था कि कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। वहां सभी के आइडिया की कद्र होती है, लेकिन ऐसा नहीं है। पार्टी का ग्राउंड लेवल कनेक्ट पूरी तरह

से टूट चुका है और वह नए भारत की आकांक्षा को बिल्कुल भी नहीं समझ पा रही है। इसी वजह से पार्टी न तो सत्ता में आ पा रही और न ही मजबूत विपक्ष की भूमिका निभा पा रही है। बड़े नेताओं और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच की दूरी पाटना बेहद कठिन है, जो राजनैतिक रूप से जरूरी है। जब तक एक कार्यकर्ता अपने नेता को डायरेक्ट सुझाव नहीं दे सकता तब तक किसी भी प्रकार का परिवर्तन संभव नहीं है।

रूस में बने साइलेंट एक-47 से लैस होगी छत्तीसगढ़ पुलिस

- 10 मिनट में 600 गोलियां बिना आवाज के करती हैं फायर, टेंडर जारी

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ पुलिस के लिए खुशखबरी है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए पुलिस योजना बना रही है। इस योजना के तहत स्नाइपर राइफलें, नाइट विजन डिवाइस और इलेक्ट्रॉनिक फायरिंग वेपन सिम्युलेटर (बेसिक) खरीदेगी। इन हथियारों में 60 सायलेंसर वाली एके-47 के अलावा नाइट विजन डिवाइस, इलेक्ट्रोनिक फायरिंग वेपन और टेलीस्कोप डिवाइस शामिल हैं। बता दें कि 2019 तक ये हथियार इजराइल से खरीदे जाते थे। इस बार केंद्र सरकार ने रूस के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। हाल ही में हथियारों की खरीदी के लिए टेंडर निकाला गया है। इससे पहले भी टेंडर निकाला गया था, जो किन्हीं कारणों से रद्द हो गया था। जिस रायफल के लिए टेंडर निकाला गया है, उसकी खासियत यह है कि इसकी गोली बेहद साइलेंट तरीके से चलती है। यह एक सेकेंड में 10 और एक मिनट में 600 गोलियां फायर करती है। इसकी गोलियां 780 मीटर प्रति सेकेंड की गति से चलती हैं और इसकी रेंज 700 मीटर तक है। स्नाइपर राइफलें घातक हथियार हैं जो पुलिस को दूर से दुश्मनों पर सटीक निशाना लगाने में मदद करती हैं। वर्तमान में, सेना और विशेष बल इन राइफलों का उपयोग करते हैं। पुलिस को इन राइफलों का उपयोग करने के लिए विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी।

आपात स्थिति में लद्दाख में उतारना पड़ा अपाचे हेलीकॉप्टर, वायुसेना ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली । भारतीय वायुसेना के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को लद्दाख में आपात स्थिति में उतारना पड़ा। दुर्गम इलाके और अधिक ऊंचाई के कारण हेलीकॉप्टर को थोड़ा नुकसान हुआ है। वायुसेना के अनुसार, घटना में विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। घटना की कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दे दिए गए हैं। वायुसेना ने कहा, वायुसेना के अपाचे हेलीकॉप्टर को तीन अप्रैल को लद्दाख में एक परिचालन प्रशिक्षण उड़ान के दौरान आपात स्थिति में उतारना पड़ा। इस प्रक्रिया के दौरान असमतल इलाके और अधिक ऊंचाई के कारण हेलीकॉप्चर को थोड़ा नुकसान हुआ है। बयान में कहा गया, हेलीकॉप्टर में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं और उन्हें निकटतम एयरबेस पर ले जाया गया है। घटना के कारण का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया गया है।

तेजस्वी और तारकिशोर प्रसाद को मिली वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा

पटना । लोकसभा चुनाव से पहले बिहार सरकार ने प्रदेश के दो पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और तारकिशोर प्रसाद की सुरक्षा बढ़ाने का निर्णय लिया है। इन दोनों उपमुख्यमंत्री को अब वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। इस लेकर गृह विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि लोकसभा चुनाव के दौरान होने वाले दौरों को देखते हुए तथा प्राप्त आकलन रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार ने यह फैसला लिया है।

बरेली जेल से गैंगस्टर की फोटो वायरल होते ही पुलिस एक्शन में

बरेली। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार राज्य के जेलों में हाई सिक्योरिटी की व्यवस्था कर रही है। वहीं कुछ अपराधी जेल में रहने के दौरान भी गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। इसी कड़ी में बरेली जेल से गैंगस्टर समीर खान उर्फ राका का फोटो सामने आने के बाद पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर शिकायत के बाद इज्जतनगर एसएचओ जयशंकर सिंह द्वारा जेल का औचक निरीक्षण करने के बाद की गई। इंस्पेक्टर सिंह ने कहा, एक्स पर एक पोस्ट में, यूजर ने शिकायत की कि अपराधियों को जेल के अंदर मोबाइल फोन जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। इस पोस्ट के बाद जेल का दौरा कर हाई सिक्योरिटी वाले बैरक की जांच की जहां गैंगस्टर राका को रखा गया था और पाया कि तस्वीरें अंदर से खींची गई थीं। बैरक का मतलब है कि राका जेल के अंदर अपने फोन का इस्तेमाल कर रहा था। जेल अधिकारियों ने कहा कि गैंगस्टर को 11 मार्च को जमानत पर रिहा किया गया था। 13 मार्च को फोटो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किया गया था। यह दूसरा मामला है, जब कैदी बरेली जेल के अंदर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते पाए गए। हत्या के आरोपी आसिफ खान ने मार्च की शुरुआत में बरेली सेंट्रल जेल के अंदर से एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक लाइव वीडियो स्ट्रीम किया था, जिसमें कथित तस्वीरों में कुख्यात गैंगस्टर समीर को जेल में गद्दे, टेलीविजन और शराब जैसी शानदार सुविधाओं का आनंद लेते देखा गया था। एक पुलिसकर्मी के हवाले से बताया गया कि बैरक की जांच के दौरान पाया कि तस्वीरें वहीं क्लिक की गई थीं। राका के पास एक एंड्रॉइड फोन और हेडफोन था। राका ने फैजाबाद और अन्य जेलों में भी ऐसा ही किया है और वह राजनीतिक रूप से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं सिद्धू मूसेवाला के पिता

चंडीगढ़ । पंजाब में दो खूंखार गैंगों के बीच फंसकर जान गंवाने वाले लोकप्रिय पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के पिता राजनीति में उतरने को तैयार है। चर्चा है कि वह कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा में उतरने जा रहे हैं। इससे पहले कई बार राजनीति में न आने की बात कहने वाले बलकौर सिंह को अब कांग्रेस ने चुनाव लड़ने के लिए मना लिया है। कांग्रेस उन्हें बठिंडा सीट से चुनावी मैदान में उतार सकती है। सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने कहा था कि हम राजनीति क्यों न करें। उन्होंने पूर्व सीएम बेअंत सिंह की हत्या का उदाहरण देकर कहा कि उनके पोते ने सांसद बनने के बाद कातिलों को सजा दिलाई। सिंह ने रवनीत सिंह बिट्टू का उदाहरण देकर कहा था कि ऐसे में अगर वह भी न्याय के लिए ऐसा करते हैं, तब इसमें कोई गलत बात नहीं। रवनीत सिंह बिट्टू सूबे के पूर्व सीएम बेअंत सिंह के पोते हैं और लुधियाना से सांसद रहे हैं। अब उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया है और उसके टिकट पर ही इस बार मैदान में उतरे हैं। सिंह को कांग्रेस लोकसभा के लिए पहले ही ऑफर कर चुकी है, लेकिन तब उन्होंने राजनीति में आने से इंकार किया था। उन्होंने कहा था कि वह मूसेवाला के प्रशंसकों से बातचीत करुंगा। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग पहले कह चुके हैं कि अगर बलकौर सिंह चुनाव लड़ना चाहते हैं, तब कांग्रेस उन्हें टिकट देने को तैयार है। सिद्धू मूसेवाला ने खुद 2022 में कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ा था, हालांकि वह चुनाव हार गए थे। कांग्रेस अगर सिंह को लोकसभा चुनाव के लिए बठिंडा से मैदान में उतारती है,तब यहां मुकाबला दिलचस्प हो जाएगा। बठिंडा अकाली दल का गढ़ है और यहां से हरसिमरत कौर बादल सांसद हैं। अकाली दल इस बार भी उन्हीं को टिकट देगा। इस सीट पर भाजपा अकाली नेता सिकंदर सिंह मलूका की पुत्र वधू परमपाल कौर को टिकट दे सकती है। परमपाल कौर आईएएस हैं और उन्होंने कल ही अपने पद से इस्तीफा दिया है।

ट्रैफिक जाम और अनियंत्रित निर्माण के कारण हिमाचल से किनारा कर रहे सैलानी

-पहली नए साल में 60 प्रतिशत होटल के कमरे रहे खाली

शिमला । हिमाचल में पर्यटन विकास की ढेरों संभावनाएं होने के बावजूद सैलानियों की संख्या नहीं बढ़ रही है। पर्यटन राज्य कहलाने के बावजूद राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन का महज 6.6 फीसदी योगदान है। हिमाचल आने वाले 80 फीसदी सैलानी 2 या 3 दिन से अधिक यहां ठहराव नहीं करते। ट्रैफिक जाम और अनियंत्रित निर्माण की वजह से सैलानी हिमाचल से किनारा कर रहे हैं और कश्मीर, उत्तराखंड की ओर आकर्षित हो रहे हैं। रेल और वायु यातायात सीमित होना भी यहां बड़ी समस्या है। कश्मीर और उत्तराखंड के मुकाबले हिमाचल के लिए फ्लाइट्स नाममात्र हैं, जिसके कारण किराया बहुत अधिक है। शिमला और कांगड़ा को छोड़ पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क नहीं हैं। विदेशी सैलानियों की संख्या में गिरावट चिंता का विषय है।

नए साल में भी नहीं पहुंचे सैलानी- 31 दिसंबर को रिकॉर्ड सैलानी नए साल का जश्न मनाने हिमाचल आते रहे हैं, लेकिन इस बार नए साल का जश्न भी फीका रहा। पहली बार नए साल पर होटलों में 40 से 60 प्रतिशत कमरे खाली रहे।

पर्यटन विकास के लिए ये हैं सरकारी योजनाएं- कांगड़ा को प्रदेश की पर्यटन राजधानी बनाने का ऐलान किया है। इतना ही नहीं गगल हवाई अड्डे के विस्तार की योजना है। प्रदेश में 9 हेलीपोर्ट बनाने की योजना है। सरकार ने स्वदेश दर्शन-2 के तहत पर्यटन विकास के लिए मास्टर प्लान बनाया है। होम स्टे इकाइयों में ठहरने वाले सैलानियों को बेहतर सुविधाएं मिले इसके लिए इन्हें पर्यटन विकास एक्ट के दायरे में लाने का प्रस्ताव है। कांगड़ा जिले के बनखंडी में चिड़ियाघर बनाना भी प्रस्तावित है।

लंदन न्यूयार्क और दुबई दुनिया के नागरिकों की पहली पसंद

नई दिल्ली । दुनिया भर के लोगों में लंदन न्यूयार्क और दुबई में रहने की बड़ी इच्छा है। सबसे ज्यादा लोग न्यूयॉर्क में रहना चाहते हैं। यहां पर संपत्ति खरीदना चाहते हैं। इसके बाद न्यूयॉर्क का नंबर आता है। तीसरे स्थान पर दुबई है। जहां मकान और संपत्ति खरीदना चाहते हैं। गूगल कीवर्ड प्लानर की सहायता से जो डाटा एकत्रित किया गया है। उसके अनुसार 2024 में प्रॉपर्टी की कीमत, क्वालिटी, लिविंग लाइफ की कास्ट और लाइफस्टाइल को लेकर जानकारी एकत्रित की गई है। उसके बाद वहां रहने के लिए घर खरीदा गया है। इस सर्वेक्षण के लिए अधिकतम 195 अंक निर्धारित किए गए थे। इसमें एम्सटडर्म को 194.8 अंक मिले हैं। अन्य कारणों से यह आठवें स्थान पर पहुंच गया है। सूची में भारत को कोई स्थान नहीं मिला है। गूगल सर्च इंजन में सबसे ज्यादा लंदन में 17,74,580 लोगों ने सर्च किया है। इसमें हाई क्वालिटी लाइफ, कम कॉस्ट ऑफ लिविंग को पसंद किया है। इसके बाद न्यूयॉर्क में 9,32,690 लोगों ने अफॉर्डेबल प्रॉपर्टी और हाई क्वालिटी लाइफ के बारे में जानकारी जुटाई।

केंद्र और राज्यों के बीच शराब से मिलने वाले राजस्व को लेकर विवाद जारी

- शराब नीति पर सुप्रीमकोर्ट में पिता ने दिया था जजमेंट, बेटी पलट देगी फैसला?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र और राज्यों के बीच शराब से मिलने वाले राजस्व को लेकर विवाद जारी है। सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की बेंच में जस्टिस बीवी नागरत्ना भी शामिल हैं। यह पीठ साल 1989 में इसी मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के सात जजों की पीठ द्वारा सुनाए फैसला की भी समीक्षा कर रही है, जिसमें नागरत्ना के पिता और तत्कालीन चीफ जस्टिस ईएस वेंकटरमैया भी शामिल थे।

तत्कालीन चीफ जस्टिस ईएस वेंकटरमैया की बेटी भी 2027 में भारत की पहली महिला चीफ जस्टिस बनने वाली हैं। यह पहली बार होगा जब कोई बेटी अपने पिता के बाद देश की चीफ जस्टिस बनेगी। वह 24 सितंबर 2027 से लेकर 29 अक्टूबर 2027 तक कुल 37 दिनों के लिए चीफ जस्टिस रहेंगी। उनके पिता 19 जून से 17 नवंबर 1989 तक छह महीने के लिए सीजेआई थे।

सुप्रीम कोर्ट्के सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के पिता भी भारत के चीफ जस्टिस रह चुके हैं। वाईवी चंद्रचूड़ साढ़े सात साल के सबसे लंबे कार्यकाल के लिए सीजेआई थे। पिता-पुत्र की यह पहली जोड़ी है जिसने देश की न्यायपालिकी की सर्वोच्च कमान संभाली है। जूनियर चंद्रचूड़ अब तक दो बार अपने पिता के सुनाए गए फैसलों को खारिज कर चुके हैं।

भाजपा नीत उत्तर प्रदेश सरकार और तृणमूल कांग्रेस शासित पश्चिम बंगाल सरकार उच्चतम न्यायालय में बुधवार को इस बात को लेकर सहमत दिखीं कि औद्योगिक शराब को विनियमित करने के लिए कानून बनाने की राज्यों की शक्ति अबाधित और पूर्ण है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली नौ-सदस्यीय संविधान पीठ औद्योगिक शराब के उत्पादन, विनिर्माण, आपूर्ति और विनियमन में केंद्र और राज्यों की शक्तियों के अतिव्यापी मुद्दे की सुनवाई कर रही है।

यूपी सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश द्विवेदी ने संविधान पीठ से कहा कि कि शराब हमेशा राज्यों के विधायी क्षेत्राधिकार में रही है और केंद्र के पास औद्योगिक शराब के संबंध में कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक शराब सहित आबकारी, शराब और स्पिरिट हमेशा राज्य के अधिकार क्षेत्र का हिस्सा रहे हैं।

द्विवेदी ने पीठ से कहा, ''केंद्र सरकार ने उद्योग (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1951 की धारा 18जी के तहत औद्योगिक शराब को विनियमित करने के लिए कोई आदेश जारी नहीं किया है, इसलिए संघर्ष या कब्जा का मामला नहीं बन सकता। यह क्षेत्र अनधिकृत है और औद्योगिक शराब को विनियमित करने के लिए कानून बनाने की राज्यों की शक्ति अबाधित और पूर्ण है।'' दो दिन तक चली बहस के दौरान वकीलों ने शराब शब्दों का इतनी बार इस्तेमाल किया कि एक जज ने मुस्कुराते हुए कहा, बहस में इतनी अधिक शराब की चर्चा हो रहा है कि इसका शारीरिक प्रभाव पड़ता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र से सुरक्षित लौटे केरल के दो नागरिक

तिरुवनंतपुरम । निजी एजेंसियों द्वारा रूसी सेना में भर्ती होने के बाद, सुरक्षित घर लौटे केरल के दो लोगों ने रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में अपना खौफनाक अनुभव बयां किया। तिरुवनंतपुरम निवासी प्रिंस और डेविड मुथप्पन पिछले दो दिनों में केरल लौटे हैं। नई दिल्ली में केंद्रीय सरकारी एजेंसियों को अपना बयान दर्ज कराने के बाद मुथप्पन ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने बताया कि उन्हें यूक्रेनी सेना के खिलाफ लड़ने के लिए मजबूर किया गया। मुथप्पन ने कहा कि कभी जीवित घर लौटने की उम्मीद नहीं की थी। मूल प्रशिक्षण मिलने के बाद हमें सीधा लड़ाई के लिए युद्ध मोर्चे पर ले जाया गया। हमने जहां

भी देखा, शव ही शव बिखरे मिले।'' एक दिन पहले पहुंचे प्रिंस ने कहा कि वह घायल हो गया था और 30 दिन से अधिक समय तक रूस के अस्पताल में भर्ती रहा था। प्रिंस ने बताया कि उसके दो दोस्त विनीत और टीनू अब भी युद्ध क्षेत्र में हैं। हम सिग्नल पकड़ में आने और उन स्थानों पर संभावित मिसाइल हमलों के खतरे के कारण फोन नहीं कर सकते थे।'' प्रिंस ने बताया कि वह घायल हो गया था और सुरक्षित स्थान की तलाश में तीन किलोमीटर तक रेंगना पड़ा था। रूस से लौटे दोनों नागरिकों ने बताया कि उन्हें हर जगह क्षत-विक्षत शव मिले। प्रिंस ने कहा, ''हमें एके-45, आरपीजी, ग्रेनेड और स्मोकर्स सहित विभिन्न हथियारों के संचालन का एक महीने का प्रशिक्षण दिया गया।'' इसके पहले, केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री वी. मुरलीधरन ने कहा कि केंद्र युद्ध प्रभावित क्षेत्र में फंसे सभी भारतीयों की वापसी के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। रूस से लौटे इन व्यक्तियों के रिश्तेदारों ने बताया कि एक भर्ती एजेंसी उन्हें अच्छा वेतन दिलाने का वादा कर रूस ले गई थी। मुरलीधरन ने कहा था कि अधिकारियों ने उन एजेंसियों की जांच शुरू कर दी है, जिन्होंने भारतीयों को रूसी सेना में आकर्षक नौकरी का लालच देकर युद्धग्रस्त यूक्रेन जाने के लिए भर्ती किया था।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने संघ और भाजपा पर साधा निशाना

-वह भाजपा में कभी नहीं होंगे चाहे उन्हें राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री बनाने का लालच ही क्यों न दिया जाए

नयी दिल्ली(एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया एक बैठक में शामिल होने मैसूर पहुंचे। यहां बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह भाजपा में कभी भी शामिल नहीं होंगे, चाहे इसके लिए उन्हें पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री पद का लालच ही क्यों दिया जाए। इसके साथ सिद्धारमैया ने लोकसभा उम्मीदवार एम. लक्ष्मण भारी मतो से विजयी बनाने की अपील की।

कर्नाटक के मैसूर में कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एससी-एसटी कार्यकर्ताओं और नेताओं की बैठक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि वह भाजपा में किसी भी कीमत पर शामिल नहीं होंगे, चाहे उन्हें पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री पद की पेशकश ही क्यों न की जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दलितों की जनसंख्या के अनुसार बजट में धन आवंटित करने का कानून पास किया था। हमारी सरकार ने कानून बनाया कि विकास नीति का 24.1 प्रतिशत अलग रखा जाए। यह कानून भाजपा द्वारा पारित ही नहीं किया गया।

सिद्धारमैया ने भाजपा और संघ पर निशाना साधते हुए कहा राजनीतिक शक्ति तभी आती है, जब आपके पास वैचारिक स्पष्टता हो। लोगों को भाजपा-आरएसएस के झांसे में नहीं आना चाहिए। शूद्र-दलित और महिलाओं को आरएसएस समान अवसर नहीं देता है। उन्होंने आगे कहा कि देवगौड़ा, जिन्होंने कहा था कि अगर नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे तो वह देश छोड़ देंगे, लेकिन अब आज वही कह रहे हैं कि उनका पीएम मोदी के साथ गहरे रिश्ते हैं। भाजपा और आरएसएस सामाजिक न्याय के खिलाफ हैं। वे आरक्षण को पसंद नहीं करते। आरक्षण कोई भीख नहीं है, यह उत्पीड़ित समुदायों का अधिकार है। उन्होंने कहा कि जब तक समाज में जाति व्यवस्था मौजूद है, तब तक आरक्षण रहना चाहिए। आजादी और ब्रिटिश काल से पहले क्या शूद्रों को शिक्षा का अधिकार था? महिलाओं के पास कोई अधिकार थे? अपने पति की मृत्यु के बाद महिलाएं सती हो जाती थी। सीएम सिद्धारमैया ने लोगों से इस बात को समझने की अपील की है। मनुस्मृति से प्रभावित ऐसी कुप्रथाओं को भारतीय संविधान में प्रतिबंधित किया गया। लेकिन अब वे मनुस्मृति को वापस लाना चाहते हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता नानजे गौड़ा और गुलिहट्टी शेखर ने कहा था कि उन्हें संघ में विशेष तवज्जो नहीं दी जाती है। यहां केवल शूद्रों का इस्तेमाल किया जाता है। महिलाओं, शूद्रों और दलितों को संघ में शामिल होने का अधिकार नहीं है। सिद्धारमैया ने पूछा, क्या हमें जेडीएस की आलोचना नहीं करनी चाहिए, जिन्होंने संघ के साथ हाथ मिला लिया? उन्होंने कहा कि वह हमारी सरकार थी जिन्होंने कॉन्ट्रैक्ट में दलितों के लिए आरक्षण पास किया था। क्या यह वही भाजपा नहीं है जिन्होंने मंडल कमीशन और दलितों के लिए आरक्षण का विरोध किया था। इसी के साथ सिद्धारमैया ने बैठक में कांग्रेस उम्मीदवार एम. लक्ष्मण को जिताने की अपील भी की।

आखिरी वक्त में शिंदे की शिवसेना ने बदला अपना उम्मीदवार, बीजेपी ने जारी किया था रेड अलर्ट

मुंबई (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले शिवसेना ने हिंगोली से अपने उम्मीदवार हेमंत पाटिल की उम्मीदवारी बदलने का फैसला किया है। शिवसेना ने हेमंत पाटिल की जगह बाबूराव कदम को उम्मीदवार बनाने का फैसला किया है। वहीं, दूसरी ओर, शिवसेना ने यवतमाल-वाशिम से भावना गवली को मैदान में उतारा था। लेकिन अब खबर है कि भावना गवली की जगह हेमंत पाटिल की पत्नी राजश्री पाटिल को यवतमाल-वाशिम से टिकट मिलेगा। राजश्री पाटिल का माहेर यवतमाल है।

यवतमाल-वाशिम और हिंगोली लोकसभा क्षेत्रों में ग्रैंड अलायंस उम्मीदवारों के आवेदन दाखिल करने के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार कल सुबह उपस्थित रहेंगे। शिवसेना ने पहली सूची में हिंगोली से हेमंत पाटिल की उम्मीदवारी की घोषणा की थी, लेकिन स्थानीय बीजेपी नेताओं ने हेमंत पाटिल की उम्मीदवारी का विरोध किया। इसके बाद शक्ति प्रदर्शन करते हुए हेमंत पाटिल मुंबई पहुंचे और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की, लेकिन फिर भी शिवसेना ने हिंगोली से उम्मीदवार बदलने का फैसला किया।

केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग वाली दूसरी याचिका भी खारिज

- कोर्ट ने कहा- हम ये कैसे कह सकते हैं कि दिल्ली सरकार काम नहीं कर रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने कथित शराब घोटले में जेल में बंद अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग वाली दूसरी जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट ने इस मामले पर कहा कि कभी कभी व्यक्तिगत हित को राष्ट्रीय हित के अधीन करना पड़ता है।

अरविंद केजरीवाल को पद से हटाने के लिए दाखिल दूसरी याचिका को भी दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। इससे पहले भी कोर्ट इस तरह की याचिका को खारिज कर चुका है। कोर्ट का कहना है कि इस तरह का न्यायिक हस्तक्षेप नहीं हो सकता है। कोर्ट ने कहा कि हम ये कैसे कह सकते हैं कि दिल्ली सरकार काम नहीं कर रही है। उपराज्यपाल किसी भी तरह का फैसला लेने में सक्षम है। कोर्ट का कहना है कि इस मामले में उपराज्यपाल या राष्ट्रपति ही फैसला लेने में सक्षम होते है। कोर्ट ने ऐसे स्थिति में कोई भी आदेश देने से इन्कार कर दिया है। इसके बाद याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस ले ली। याचिकाकर्ता का कहना है कि वह उपराज्यपाल के पास जाकर इस मामले में गुहार लगाएंगे।

इससे पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में हाईकोर्ट मे याचिका दायर की गई है। इस संबंध में दिल्ली हाई कोर्ट ने तीन अप्रैल को ही अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। बता दें कि अरविंद केजरीवाल के वकीलों के पास आज तक का ही समय है, जब वो लिखित में दलील दे सकते है। ये भी उम्मीद जताई जा रही है कि आम आदमी पार्टी के चीफ की याचिका पर हाई कोर्ट की ओर से आदेश आज जारी हो सकता है।

हेमा मालिनी पर दिए बयान पर सुरजेवाला की सफाई... वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी के खिलाफ अपने कथित आपत्तिजनक बयान पर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की आलोचना का सामना करने के बाद, कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने स्पष्ट किया कि उनका कभी भी हेमा का अपमान या चोट पहुंचाने का इरादा नहीं था।

सुरजेवाला का स्पष्टीकरण भाजपा द्वारा एक वीडियो साझा करने और कांग्रेस सांसद पर हेमा मालिनी के बारे में कुछ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाने के बाद आया है।

भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने पोस्ट किया, कांग्रेस सांसद सुरजेवाला ने एक घृणित महिला विरोधी टिप्पणी की, जो न केवल हेमा मालिनी, बल्कि सामान्य रूप से महिलाओं के लिए अपमानजनक है। कांग्रेस नेता सुरजेवाला पूछते हैं कि हम विधायक क्यों बनाते हैं? ताकि वे अपनी आवाज उठा सकें और हमारी बात मनवा सकें। क्या कोई हेमा मालिनी है, जो चाटने के लिए बनी हो? महिलाओं को चाटने की चीज कौन समझता है? अभी एक दिन पहले ही सुरजेवाला के सहयोगी एक और बीजेपी महिला नेता का रेट पूछ रहे थे और अब ये... ये है राहुल गांधी की कांग्रेस। यह स्त्रीद्वेषी है और महिलाओं से घृणा करता है। इसका जिक्र करते हुए सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा नेता द्वारा पोस्ट किया गया वीडियो मोदी सरकार की युवा विरोधी, किसान विरोधी, गरीब विरोधी नीतियों और भारत के संविधान को नष्ट करने की साजिश से देश का ध्यान भटकाने के लिए संपादित, विकृत और साझा किया गया है।

सुरजेवाला ने कहा, पूरा वीडियो सुनें, मैंने कहा, हम हेमा मालिनी का भी बहुत सम्मान करते हैं, क्योंकि उन्होंने धर्मेंद्र जी से शादी की है और हमारी बहू हैं। भाजपा के महिला विरोधी प्यादों को इस वीडियो को काटने का आदेश दिया गया, लेकिन इन्हीं प्यादों ने कभी प्रधानमंत्री से नहीं पूछा कि उन्होंने, हिमाचल में 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड क्यों कहा? संसद में एक महिला सांसद को शूर्पणखा क्यों कहा गया? एक महिला सीएम को इतने अभद्र तरीके से क्यों ट्रोल किया गया? क्या कांग्रेस की विधवा कहना सही है? क्या कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को जर्सी गाय कहना सही है?

इस बीच, हेमा मालिनी के खिलाफ आपत्तिजनक बयान को लेकर सुरजेवाला पर निशाना साधकर भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस की एकमात्र पहचान नारी शक्ति का अपमान करना है।

हिजबुल के तीन आतंकी यूपी एटीएस के हत्थे चढ़े

लखनऊ । यूपी पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वाले हिजबुल मुजाहिदीन के तीन आतंकियों को नेपाल-भारत के सोनौली बॉर्डर से गिरफ्तार कर लिया है। इनमें से दो पाकिस्तान के रहने वाले हैं जबकि एक कश्मीर का निवासी है। यूपी एटीएस को सूचना मिली थी कि कुछ पाकिस्तानी नागरिक आईएसआई के सहयोग से नेपाल सीमा से भारत में प्रवेश करने वाले हैं। जिस पर एटीएस की फील्ड इकाई गोरखपुर ने सर्विलांस की मदद से मोहम्मद अल्ताफ भट, रावलपिंडी, सैय्यद गजनफर इस्लामाबाद और नासिर अली जम्मू एंड कश्मीर को गिरफ्तार कर लिया। ये सभी भारत में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने का मंसूबा रखते हैं और आईएसआई के सहयोग से हिजबुल मुजाहिदीन के ट्रेनिंग कैंप से प्रशिक्षण भी ले चुके हैं। आतंकी मोहम्मद अल्ताफ भट ने पूछताछ में बताया कि उसका जन्म कश्मीर में हुआ था और कारगिल युद्ध के बाद वह हिजबुल मुजाहिदीन के एक मिलिटेंट के साथ जिहाद की ट्रेनिंग के लिए पाकिस्तान चला गया। अल्ताफ ने बताया कि वह हमेशा से ही चाहता था कि कश्मीर, पाकिस्तान का हिस्सा बने। इसी उद्देश्य से अल्ताफ ने पाकिस्तान पहुंचकर आईएसआई के निर्देशन में हिजबुल मुजाहिदीन के मुजफ्फराबाद कैंप में जेहादी प्रशिक्षण लिया।

भारत और चीन में 2023 में प्राकृतिक आपदाओं से हुआ 65 बिलियन डॉलर का नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2023 में भूकंप, तूफान, बाढ़, चक्रवात और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं की वजह से एशिया प्रशांत क्षेत्र में 65 बिलियन डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ। एक सर्वे रिपोर्ट में कहा, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बाढ़ और सूखे से भारी आर्थिक नुकसान होने की बात कही गई है। चीन में बाढ़ और भारत में सूखे से हुए नुकसान का अनुमान 65 बिलियन (करीब 5.20 लाख करोड़ रुपये) लगाया गया है, जो 21वीं सदी के औसत से 48 प्रतिशत कम है। चीन में, बाढ़ ने जीवन और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया है, जबकि भारत में सूखे ने कृषि और जल संसाधनों को नुकसान पहुंचाया है। इस क्षेत्र में बीमा कवरेज बहुत कम है। 91 प्रतिशत नुकसान का बीमा नहीं था, जिसका अर्थ है कि बीमा कंपनियों ने सिर्फ 6 बिलियन (करीब 48,000 करोड़ रुपये) का भुगतान किया। यह 21वीं सदी के औसत 15 बिलियन (करीब 1.20 लाख करोड़ रुपये) से भी कम है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में दुनिया भर में 398 प्राकृतिक आपदाएं आईं, जिससे 380 बिलियन डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ। यह 2022 में हुए नुकसान से 7 प्रतिशत अधिक है और 21वीं सदी के औसत से 22 प्रतिशत अधिक है। इन आपदाओं में भूकंप, सुनामी, बाढ़, तूफान और सूखा शामिल थे। अमेरिका और यूरोप में लगातार गंभीर संवहनी तूफान आए, जिससे भारी नुकसान हुआ।

2024 जलवायु और आपदा रिपोर्ट के अनुसार, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बाढ़ एक गंभीर खतरा बनी हुई है। 2010 से हर साल बाढ़ से होने वाला नुकसान 30 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में बाढ़ से होने वाला नुकसान सबसे महंगा था, जो कुल नुकसान का 64 प्रतिशत से अधिक था। 2023 में एशिया प्रशांत क्षेत्र में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई।

रिपोर्ट के अनुसार, इस क्षेत्र में बाढ़ से होने वाला कुल नुकसान 32 बिलियन से अधिक था। चीन में बाढ़ से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ, जहां 32 बिलियन से अधिक का आर्थिक नुकसान और 1.4 बिलियन का बीमाकृत नुकसान हुआ। हांगकांग, दक्षिण कोरिया, भारत और पाकिस्तान में भी 2023 में रिकॉर्ड बारिश हुई। दक्षिण एशिया में बाढ़ (पाकिस्तान और भारत) के परिणामस्वरूप लगभग 2,900 लोगों की मृत्यु हुई। यह चिंताजनक है कि बाढ़ से सबसे ज्यादा नुकसान उन क्षेत्रों में हुआ जहां लोगों के पास बीमा नहीं है।

एआई इनफ्लूएंसर से लोगों में मची खलबली, लग रहा एआई से नौकरियां गंवाने का डर

मैड्रिड । स्पेन के एक टीवी शो में एल्बा रेनाई नाम की एक आकर्षक डिजिटल इन्फ्लूएंसर को लोकप्रिय रियलिटी शो सर्वाइवर के स्पेनी संस्करण के खास हिस्से का प्रस्तुतकर्ता बनाया जा रहा है। यह लोकप्रिय इन्फ्लूएंसर वास्तव में कोई इंसान नहीं है, बल्कि आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस से तैयार की गई है। इससे लोगों लगने लगा है कि एआई लोगों की नौकरी खाने वाला है। एल्बा को पिछले साल के अंत में टेलीविजन की बड़ी कंपनी मीडियासेट स्पेन के उपक्रम 'बी अ लायन' ने बनाया था। हाल ही में उसकी लोकप्रियता बहुत ही अधिक बढ़ गई है और वह इंटरनेट सेलिब्रिटी बन गई है। पूरी तरह से इंसान दिखाई देने वाली इस इंफ्लूएंसर को एक ऐसे अवतार के तौर पर बनाया गया है जो ज्यादा से ज्यादा लोगों को आकर्षित कर सके। प्रयोग पूरी तरह से सफल रहा है और एल्बा के एक हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं। सोशल मीडिया मंच पर एल्बा ने ऐलान किया कि वह स्पेनिश टीवी पर आर रही है। कुछ ही सेकेंड का उसका यह वीडियो वायरल होते देर ना लगी। इस क्लिप में लोगों ने हर तरह की प्रतिक्रियाएं दी। इनमें कई लोग ऐसे भी थे जो नहीं जानते हैं कि एल्बा वास्तविक इंसान नहीं है। वहीं कई लोगों ने इस बात पर चिंता जताई कि एक डिजिटल अवतार इंसानी नौकरियों को खा जाएगा। एशिया में कई देश इस तरह के न्यूज एंकरों के साथ ऐसे प्रयोग कर रहे हैं। दूसरी तरफ 'बी अ लायन' ने फैंस को आश्वस्त किया है कि एल्बा किसी की नौकरी के पीछे नहीं है। कंपनी के ब्राडेड कंटेट एंड एक्सपीरियंस के निदेशक लुइस मोविला का कहना है कि मानवीय हुनर बदला नहीं जा सकता है और कंपनी का ऐसा करने का कोई इरादा नहीं है। मोविला ने कहा कि एल्बा किसी की नौकरी छीनने नहीं आई है। वास्तव में वह ज्यादा रोजगार पैदा करने के मदद कर रही है। उसके काम के पीछे बहुत से लोग लगे हैं।

कैलिफोर्निया पुलिस ने अपहरण पीड़िता को मारी गोली, मौत

कैलिफोर्निया। कैलिफोर्निया पुलिस ने एक 15 वर्षीय अपहरण पीड़िता की गोली मारकर हत्या कर दी, जब वह अपने अपहरणकर्ता पिता से बचने के लिए पुलिस की ओर बढ़ी इस दौरान उसे गोली मार दी गई। घटना सितंबर 2022 की बताई जा रही है जिसका वीडियो अब वायरल हो गया है जिसे देखकर लोग सकते में हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार सवाना को उसके पिता एंथोनी जॉन ग्राज़ियानो ने अपनी पत्नी ट्रेसी मार्टिनेज की हत्या करने के बाद अपहरण कर लिया था। एंथोनी की कार को जब पुलिस ने रोक और नीचे कार से बाहर आने का इशारा किया जैसे ही सवाना कार से निकली और पुलिस के निदेर्शों का पालन कर रही थी तभी पुलिस अधिकारियों ने उसे गोली मार दी। जबकि एक अधिकारी लगातार विनती करता रहा, उसे गोली मारना बंद करो! वह कार में है! रुको! वह ठीक है! वह कार में है! ...रुको! वीडियो लगभग दो साल बाद जारी किया गया क्योंकि शेरिफ के प्रतिनिधियों ने इसकी रिलीज पर रोक लगा दी थी। पुलिस ने पहले दावा किया था कि 15 वर्षीय सवाना को गोली मार दी गई थी क्योंकि उसने सामरिक उपकरण पहने हुए थे और जवाबी फायरिंग की थी। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, फुटेज से यह साबित होता है कि वह कोई हथियार नहीं ली हुई थी। अधिकारियों ने कहा कि सैन बर्नाडिनो काउंटी के प्रतिनिधियों ने एंथोनी ग्राज़ियानो के ट्रक को रोकने की कोशिश की, जब उनके पिता ने उन पर गोलीबारी की, जिनके पास अर्ध-स्वचालित हथियार था। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने दावा किया कि सवाना वाहन से गोलीबारी भी कर रही होगी। 15 साल की सवाना फिर कार से बाहर निकलती है और एक अधिकारी रेडियो पर कहता है, लड़की बाहर है। वह नीचे झुकती है लेकिन तेजी से अधिकारियों की ओर बढ़ने लगती है तभी अचानक गोली चलने की आवाज आती है और फुटेज में ग्राजियानो का शरीर धुंधला हो जाता है। एक नए हवाई फ़ुटेज से पता चलता है कि सवाना धीमी गति से चल रही थी और उसकी पोशाक स्पष्ट नहीं थी। लड़ाई के दौरान एक डिप्टी को छर्रे लगने से चोट लग गई. अधिकारियों का सुझाव है कि सवाना ने भी गोलीबारी की होगी, लेकिन इसकी जांच की जा रही है। घटनास्थल पर हथियार, बारूद पाए गए। सवाना की घटनास्थल पर ही गोली मारकर हत्या कर दी गई। सवाना के चाचा ने कहा कि पुलिस को बेहतर प्रशिक्षण की जरूरत है ताकि निहत्थे लोगों को न मारा जाए। उन्होंने कहा उसे मरना नहीं था। ग्राज़ियानो ने पहले सवाना की मां मार्टिनेज़ को भी गोली मार दी थी।

इमरान की पार्टी ने छह अप्रैल को होने वाली रैली रद्द की

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने धार्मिक कारणों का हवाला देकर शनिवार को होने वाली अपनी रैली को रद्द करने की घोषणा की। यह रैली पार्टी संस्थापक इमरान खान की जेल से रिहाई की मांग को लेकर की होनी थी, जो विभिन्न मामलों में दोषी ठहराने के बाद से पिछले साल अगस्त से जेल में बंद हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली खान ने अपनी पार्टी के समर्थकों को सूचित किया कि यह फैसला 'लैलत-उल-कद्र' के कारण लिया गया है। रमजान के महीने में आने वाली 'लैलत-उल-कद्र' की रात को बहुत अहम मानता है और पूरी रात जागकर इबादत करता है। उन्होंने समर्थकों से इमरान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी सहित पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं तथा नेताओं की रिहाई एवं सुरक्षा के लिए दुआ करने की भी गुजारिश की। पिछले महीने, पीटीआई ने 71 वर्षीय खान की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए परेड ग्राउंड में एक बड़ी रैली करने की घोषणा की थी।

आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस पर 710.2 बिलियन वॉन खर्च करेगा दक्षिण कोरिया

सियोल । दक्षिण कोरिया लोगों के जीवन में आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस लाने के लिए 710.2 बिलियन वॉन खर्च करेगा। विज्ञान मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। विज्ञान मंत्रालय के मुताबिक, एआई रणनीति के लिए गठित सरकारी पैनल ने मुद्दे पर अपनी पहली बैठक बुलाई, इसमें 69 एआई परियोजना को मंजूरी दी गई। लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए 18 कार्यक्रमों पर लगभग 75.5 बिलियन वॉन खर्च किए जाएंगे, 288.1 बिलियन वॉन 24 कार्यस्थल-संबंधित परियोजनाओं के लिए और 115.7 बिलियन वॉन 14 सार्वजनिक प्रशासन के लिए आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा, 230.0 बिलियन वॉन को एआई एजुकेशन के लिए अलग से आवंटित किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार सार्वजनिक सेवाओं में एआई का लाभ उठाना चाहती है, जिसमें विकलांग व्यक्तियों के लिए सूचना और संचार सहायता का वितरण, स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का प्रावधान और दृष्टिहीन परिवारों के लिए सहायता शामिल है। सरकार का लक्ष्य कानून, चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक परामर्श जैसे क्षेत्रों के लिए विशेष एआई सेवाओं को विकसित कर विभिन्न उद्योगों में एआई को तैनात करना भी है।

इजरायली सेना रिजर्व सैनिकों के साथ हवाई रक्षा प्रणाली को मजबूत कर रही

यरूशलम । इजरायली सेना ने घोषणा की है कि वह ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच रिजर्व सैनिकों के साथ अपनी हवाई रक्षा प्रणाली को मजबूत कर रही है। इजरायली सेना ने कहा, आईडीएफ (इजराइल डिफेंस फोर्सेज) के हवाई रक्षा तंत्र में जनशक्ति बढ़ाने और रिजर्व सैनिकों को तैनात करने का निर्णय लिया गया है। ईरान ने सीरिया में ईरानी दूतावास पर इजरायली हवाई हमले के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की कसम खाई थी। रिपोर्ट के अनुसार, हमले में सीरिया में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के अनुभवी कमांडर मोहम्मद रजा ज़ाहेदी और उनके डिप्टी सहित सात ईरानी मारे गए थे। इस हमले के बाद मध्य पूर्व में तनाव और बढ़ गया। इजरायल ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

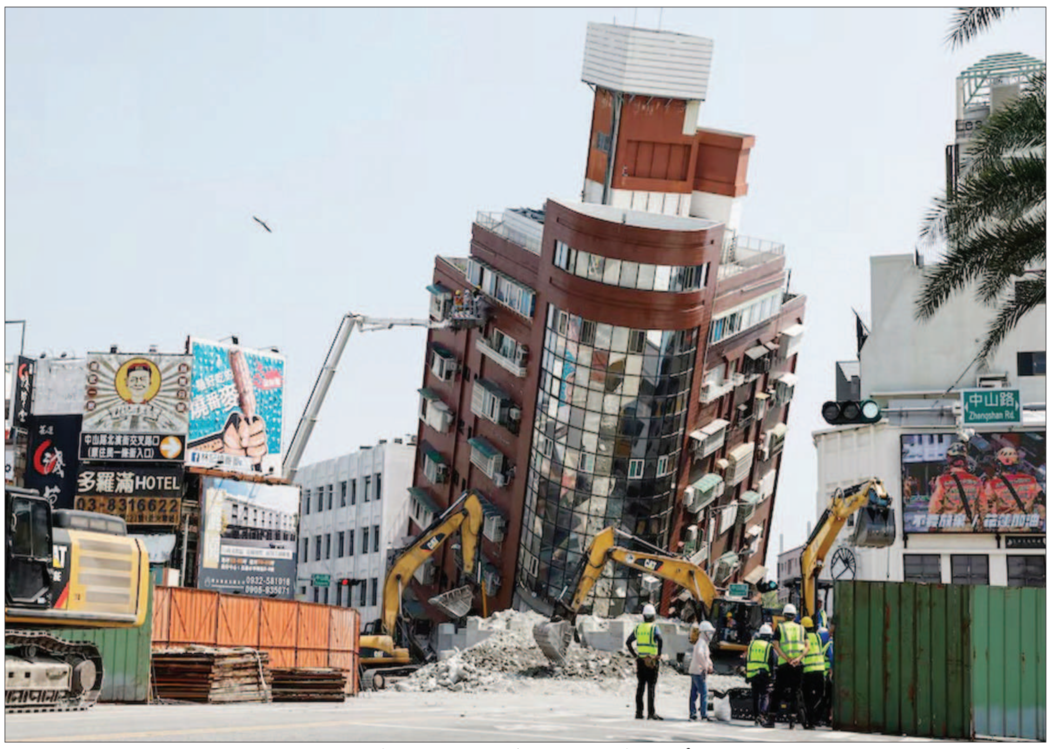

ताइवान में एक ध्वस्त इमारत के पास काम करते हुए कर्मचारी।

चीन ने अमेरिका को चेताया कहा- ताइवान रेड लाइन है उसे पार न करें

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने मंगलवार को अमेरिकी समकक्ष जो बाइडन से फोन पर बातचीत की। इस बातचीत में जिनपिंग ने बाइडेन से कहा कि ताइवान रेड लाइन है, जिसे अमेरिका को पार नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही जिनपिंग ने बाइडेन को चेतावनी दी कि चीन शांत नहीं बैठेगा। बता दें कि पिछले साल नवंबर में सैन फ्रांसिस्को में शिखर सम्मेलन के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली बातचीत थी। हालांकि अमेरिका ने लगभग दो घंटे की बातचीत को रचनात्मक बताया। राष्ट्रपति ने ताइवान जलडमरूमध्य में शांति बनाए रखने पर जोर दिया। इसके अलावा बाइडेन ने रूस के रक्षा उद्योग के लिए चीन के समर्थन पर भी चिंता जताई। उन्होंने दक्षिण चीन सागर में कानून का शासन और नेविगेशन की स्वतंत्रता पर जोर दिया।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने राष्ट्रपति जिनपिंग और बाइडन की बातचीत के हवाले से कहा कि ताइवान की स्वतंत्रता अलगाववादी गतिविधियों और उनके लिए बाहरी समर्थन के सामने, चीन चुप बैठने वाला नहीं है। दोनों राष्ट्रपतियों ने अपनी बातचीत में व्यापार और टेक्नोलॉजी मुद्दों पर भी चर्चा की। बता दें कि अमेरिका ने चीन दबाने के लिए कई तरीके अपनाए और अधिक से अधिक चीनी संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाया है। वहीं चीनी विदेश मंत्रालय ने बताया कि जिनपिंग और बाइडन के बीच स्पष्ट बातचीत हुई। मंत्रालय ने बताया कि जिनपिंग ने चीन से अमेरिका के संबंधों को स्थिर होने की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों की तरफ से ध्यान देने की जरुरत है।

भू-राजनीति के क्षेत्र में मियर्सहाइमर ने की भारत की सराहना

- अमेरिकी राजनीतिक वैज्ञानिक ने भारत को एक महान शक्ति के रूप में वर्णित किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राजनीतिक वैज्ञानिक जॉन जे. मियर्सहाइमर ने भारत को एक महत्वाकांक्षी महान शक्ति के रूप में वर्णित किया, जो संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और रूस के बाद भूराजनीतिक क्षेत्र में सर्वाधिक तेजी से बढ़ रही है। नई दिल्ली में राइजिंग भारत समिट 2024 के एक सत्र के दौरान मियर्सहाइमर ने कहा कि एकल-ध्रुवीय चरण के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका सबसे शक्तिशाली देश था, जो 1991 में सोवियत संघ के पतन के साथ शुरू हुआ और लगभग 2010 के मध्य तक चला। यथार्थवादी दृष्टिकोण के साथ तर्क देते हुए उन्होंने कहा कि आज दुनिया बहुध्रुवीय है जहां महान शक्तियां प्रभुत्व के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। मियर्सहाइमर ने कहा कि 2017 तक व्लादिमीर पुतिन ने रूस को विनाश से बचा लिया था और रूस एक महान शक्ति के रूप में पुनर्स्थापित किया, इसी के साथ चीन भी 1990 के दशक और 21 वीं सदी के पहले 17 वर्षों के दौरान हुई सभी आर्थिक गतिविधियों के कारण एक महान

शक्ति के रूप में उभरा। जियो-कैलकुलस- क्रैकिंग द कोड' शीर्षक वाले सत्र के दौरान, अमेरिकी विशेषज्ञ ने कहा कि दुनिया अब एक ऐसी प्रणाली में है जहां चीन, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका तीन महान शक्तियां हैं। यूक्रेन संघर्ष की भविष्यवाणी करने के लिए जाने जाने वाले प्रोफेसर मियर्सहाइमर ने सुरक्षा मुद्दों और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के बारे में विस्तार से लिखा है। उन्होंने सात पुस्तकें प्रकाशित की हैं, जिनमें 'द ट्रेजेडी ऑफ ग्रेट पावर पॉलिटिक्स' भी शामिल है। वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य की स्थिति के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि चीन को हाल तक एक महान शक्ति नहीं माना जाता था क्योंकि उसके पास धन नहीं था, परन्तु उसके पास जनसंख्या का आकार था। भारत के पास निश्चित रूप से जनसंख्या का आकार है और यह साल दर साल और अधिक समृद्ध होता जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत शीर्ष मंत्रियों ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को विश्वमित्र और एक संयोजन शक्ति बताया है। अपनी तीव्र आर्थिक वृद्धि और जनसंख्या के आकार के साथ भारत खुद को सबसे आगे मानता है, उसे महान शक्ति बनने के लिए किसी का पक्ष लेने की ज़रूरत नहीं है। मियर्सहाइमर ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत एक प्रमुख शक्ति है और यह बहुत महत्वपूर्ण तरीके से उन तीन महान शक्तियों के बीच संघर्ष कर रहा है।

अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता से पत्रकार ने किया सवाल

- कांग्रेस, केजरीवाल, पन्नू पर बोलते हो, पाकिस्तान पर चुप क्यों?

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने प्रेसवार्ता में दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल, कांग्रेस के फ्रीज खातों और खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को लेकर बोले रहे थे तभी मिलर से एक पत्रकार ने सवाल किया कि वे केजरीवाल पर खूब बोलते हैं लेकिन, पाकिस्तान में विपक्षी नेताओं को जेल में ठूंसने पर चुप क्यों हैं? पहले तो पत्रकार का सवाल सुनकर मिलर सकपका गए थे। फिर उन्होंने दो लाइन में जवाब देकर कन्नी काटने की कोशिश की। मिलर ने कहा कि दोनों मामलों को एक रूप में नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कहा कि वह उस चरित्र-चित्रण से सहमत नहीं हूं। हमने कई अवसरों पर इस बात पर जोर दिया है कि पाकिस्तान में भी कानून और मानवाधिकारों का सम्मान किया जाए।

बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान लंबे समय से जेल में बंद हैं और उनकी पत्नी बीबी बुशरा को भी घर में ही नजरबंद रखा गया है। इमरान खान पर कई मामलों में सुनवाई चल रही है। हाल ही में पाकिस्तान में हुए लोकसभा चुनाव में इमरान की पार्टी से समर्थित उम्मीदवारों ने सबसे ज्यादा 91 सीट जीती थी। लेकिन, बहुमत हासिल नहीं कर पाए। इमरान ने आरोप लगाया था कि नवाज शरीफ और पाकिस्तानी सेना ने मिलकर चुनावी नतीजों में धांधली की है।

बता दें कि जर्मनी और अमेरिकी सरकार की तरफ से केजरीवाल और कांग्रेस के फ्रीज खातों को लेकर की गई टिप्पणियों को लेकर भारत के विदेश मंत्री जयशंकर भड़क चुके हैं। उन्होंने एक बयान में कहा था कि किसी भी राष्ट्र को दूसरे राष्ट्र के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने मामले में जोर देकर कहा था कि इस पर दूसरे देशों को मर्यादा रखनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो भारत अपने हिसाब के ऐक्शन लेगा। बता दें कि अमेरिका के केजरीवाल को लेकर दिए बयान के बाद विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी राजनयिक को तलब किया था। अमेरिका ने कहा कि था वे अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और कांग्रेस के फ्रीज खातों को लेकर चल रही घटनाओं के बाद लगातार भारत पर नजर रख रहे हैं।

अब हिली जापान की धरती, 6.3 तीव्रता वाला आया भूकंप

टोकियो (एजेंसी)। भूकंप ने ताइवान में तबाही के बाद अब जापान को हिला दिया है। जापान के होंशू के पूर्वी तट पर 6.3 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। जिसमें कोई जान माल के नुकसान की खबर नहीं है।

भूकंप विज्ञान केंद्र ने कहा कि गुरुवार को जापान के होंशू के पूर्वी तट पर 6.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 32 किमी की गहराई पर स्थित था। टोक्यो में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने गुरुवार के भूकंप की तीव्रता 6.1 बताई है, जो 40.1 किलोमीटर की गहराई पर था।

बता दें कि जापान का अब तक का सबसे बड़ा भूकंप मार्च 2011 में जापान के उत्तर-पूर्वी तट पर समुद्र के अंदर 9.0 तीव्रता का था, जिसके कारण सुनामी आई थी जिसमें 18,500 लोग मारे गए थे या लापता हो गए। 2011 में आए भूकंप ने जापान के फुकुशिमा परमाणु संयंत्र में तीन रिएक्टरों को भी पिघला दिया था जिससे जापान की युद्ध के बाद की सबसे खतरनाक आपदा और चेरनोबिल के बाद सबसे गंभीर परमाणु दुर्घटना थी।

टेक्नोलॉजी के मामले में जापान कई देशों से आगे है। देश में बिल्डिंग्स बनाने के लिए सख्त नियम बनाए गए हैं, बिल्डिंग्स ऐसी बनाई जाए कि वह भूकंप का सामना कर सकें। लगभग 125 मिलियन लोगों का घर, द्वीपसमूह, हर साल लगभग 1,500 झटके का अनुभव करता है, जिनमें से ज्यादातर हल्के होते हैं।

आपको बता दें जापान आए भूकंप से एक दिन पहले यानी बुधवार को ताइवान में आए भयंकर भूकंप से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई थी और एक हजार से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। ताइवान में आए 7.4 तीव्रता के भूकंप से दर्जनों इमारतें जमीदोज हो गईं और जापान और फिलीपींस तक सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई थी।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम की सुरक्षा के मद्देनजर जेल में एक नहीं सात बैरक

-इमरान पर हर महीने हो रहे 12 लाख रुपए खर्च, सुरक्षा में 14 सुरक्षाकर्मी को तैनात

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और क्रिकेटर इमरान खान पिलछे साल से जेल में बंद हैं और उन्हें कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। वहीं पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने लाहौर हाईकोर्ट को बताया कि अदियाला जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सुरक्षा के लिए एक की बजाय सात कोठरियां दी की गई हैं। हाईकोर्ट पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेता अफजल अजीम पहत की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। जिसमें कहा गया था कि रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में इमरान खान की जिदंगी पर मंडरा रहे कथित खतरों का जिक्र किया गया है।

सुनवाई के बाद अदालत के एक अधिकारी ने कहा कि पंजाब के एजीपी खालिद इशाक ने अदालत को बताया कि इमरान खान के लिए खास सुरक्षा इंतजाम के लिए उनकी कोठरी के अलावा छह और कोठरियां बनाई गई हैं। इस जेल में 10 कैदियों की सुरक्षा पर एक कर्मी तैनात है, जबकि इमरान खान की सुरक्षा के लिए 14 सुरक्षाकर्मी को तैनात किया गया है।

इशाकने अदालत को यह भी बताया गया कि जेल में खान की सुरक्षा पर लगभग 12 लाख रुपए खर्च हो रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं और विशेष रूप से उनके लिए खास रसोई में खाना पकाया जाता है और इसका रसोई का उपयोग किसी अन्य कैदी के लिए नहीं किया जाता है।

16 अप्रैल को होगी सुनवाई

याचिकाकर्ता ने कहा कि सुरक्षा खतरों के कारण, जेल अधिकारियों ने मुलाकात पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह कहते हुए कि जेल में पूर्व प्रधान मंत्री की जान को खतरा है, उन्होंने कहा कि खान को पूरी देने के लिए एक आदेश जारी किया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश मलिक शहजाद अहमद खान ने मामले को 16 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया। इमरान खान पिछले साल अगस्त से कई मामलों के चलते जेल में बंद हैं।

इजरायल पर मुकदमा दायर करेगा ईरान : मोहम्मद

तेहरान । ईरान के कानूनी मामलों के उपाध्यक्ष मोहम्मद देहकान ने कहा है कि देश सीरिया में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर घातक हमले के लिए इजरायल के खिलाफ मुकदमा दायर करेगा। देहकान ने बुधवार को तेहरान में एक कैबिनेट बैठक के मौके पर पत्रकारों से यह बात कही। उन्होंने सीरिया की राजधानी दमिश्क में वाणिज्य दूतावास की इमारत को नष्ट करने वाले मिसाइल हमले के लिए इजरायल के खिलाफ ईरान के कानूनी उपायों के बारे में विस्तार से बताया। इस हमले में कम से कम 14 मौतें हुईं। एक समाचार एजेंसी ने अर्ध-आधिकारिक समाचार एजेंसी के हवाले से बताया कि देहकान ने कहा कि इज़रायली हमले ने अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है।

ताइवान में आए भयंकर भूकंप से सेमीकंडक्टर चिप का कारोबार ठप

- दुनिया में पैदा हो सकता है संकट, इलेक्ट्रिक उपकरण भी हो सकते हैं महंगे

ताइपे(एजेंसी)। ताइवान में आए भूकंप ने देश में तबाही मचा दी है। भूकंप में कई लोगों की जान भी जा चुकी है और कई घायल अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं ऐसे में ताइवान में हुई तबाही ने दुनिया के लिए भी बड़ा संकट पैदा कर दिया है। देश में भूकंप के चलते चिप बनाने वाली कई कंपनियों के कारोबार पर असर पड़ा है और उन्हें अपनी यूनिट्स को दूसरी जगह शिफ्ट करना पड़ रहा है। ऐसे में सप्लाई प्रभावित होने से आपूर्ति में दिक्कत आ सकती है, तो वहीं ग्लोबल मार्केट में सेमीकंडक्टर की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।

भूकंप ने बुधवार को ताइवान की राजधानी ताइपे को हिलाकर रख दिया। 7.2 तीव्रता के भूकंप के कारण कई ऊंची-ऊंची इमारतें ढह गई हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है और एक हजार से ज्यादा लोग घायल हैं। भूकंप की वजह से वहां बिजली सप्लाई ठप हो गई, तो ट्रेन सेवाएं और कंपनियों में कारोबार ठप हो गए हैं।

ताइवान वैश्विक चिप आपूर्ति में एक बड़ी भूमिका निभाता है, क्योंकि यहां दुनिया की सबसे बड़ी चिप निर्माता, ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी स्थित है, जो ऐपल और एनवीडिया को चिप्स की सप्लाई करती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि स्मार्टफोन और एआई रनिंग सुपर कंप्यूटर को पावर देने वाले सभी चिप्स का लगभग 80-90 फीसदी हिस्सा ताइवान में ही तैयार किया जाता है। ताइवान में कई छोटे चिप निर्माता भी हैं, जिनमें यूएनसी, वैनगार्ड इंटरनेशनल सेमीकंडक्टर और पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग शामिल हैं।

सेमीकंडक्टर चिप सिलकॉन से तैयार की जाती है और इसका इस्तेमाल डाटा प्रोसेसिंग के लिए किया जाता है। इसलिए सेमीकंडक्टर चिप के बिना स्मार्टफोन और स्मार्ट कारों की कल्पना भी नहीं की जा सकती है । सेमीकंडक्टर चिप की उपयोगिता के बारे में बात करें तो अगर किसी वजह से सेमीकंडक्टर चिप का प्रोडक्शन कम हो जाए तो मोबाइल और कारों का प्रोडक्शन अपने आप कम हो जाता है। इसका नजारा दुनिया ने कोरोना महामारी के वक्त देख लिया है।

महंगे हो जाएंगे मोबाइल फोन-कंप्यूटर

सेमीकंडक्टर चिप को इलेक्ट्रॉनिक प्रॉडक्ट्स का दिल कहा जाता है। आपके पास जो स्मार्टफोन्स व कार, डाटा सेंटर्स, कंप्यूटर-लैपटॉप, टैबलेट, स्मार्ट डिवाइसेज से लेकर ऑटोमोबाइल तक में इन चिप्स का उपयोग होता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भारत में 2026 तक इसका बाजार 63 अरब

डॉलर तक पहुंच जाएगा। ताईवान में भयंकर भूकंप से पूरी दुनियाभर में सेमीकंडक्टर की सप्लाई पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है और इससे मोबाइल फोन, कंप्यूटर और दूसरे इलेक्ट्रिक उपकरण महंगे होने की संभावना है।

संपादकीय

बड़ी नौकरियां

आईआईटी, बॉम्बे से आई यह खबर विचारणीय है कि दुनिया में बड़ी नौकरियों का अभाव होने लगा है। वैसे तो दिसंबर से मई तक कैंपस प्लेसमेंट का दौर चलता है, लेकिन अभी तक के आंकड़ों को देखें, तो आईआईटी, बॉम्बे से इस साल पास हो रहे लगभग 36 प्रतिशत छात्रों की नौकरी सुरक्षित नहीं हुई है। संख्या में अगर बात करें, तो करीब 2,000 छात्रों ने कैंपस प्लेसमेंट के लिए आवेदन किया था, पर उनमें से 712 को अभी तक किसी कंपनी ने नौकरी का प्रस्ताव नहीं दिया है। इस विषय को लेकर कई आलोचकों ने चिंता का इजहार किया है, पर पिछले वर्षों से तुलना करें, तो स्थिति बहुत चिंताजनक नहीं दिखती है। अभी तक नौकरी न पाने वालों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 2.8 प्रतिशत अधिक है। विश्लेषकों की पहली दलील यही है कि विश्व अर्थव्यवस्था की स्थिति अच्छी नहीं है, इसलिए बड़ी नौकरियों के प्रस्ताव सामने नहीं आ रहे हैं। क्या एक आईआईटी से आए इन आंकड़ों को लेकर हमें बहुत चिंतित होना चाहिए? वास्तव में, चिंता उन्हीं लोगों को होगी, जो तुलनात्मक अध्ययन नहीं करेंगे। हां, यह सही है कि विश्व अर्थव्यवस्था में मंदी का दुष्प्रभाव है। विश्व की विकसित अर्थव्यवस्थाएं तनाव से गुजर रही हैं, पर इसका अर्थ यह नहीं कि आईआईटी से निकले इंजीनियर बेरोजगार रह जाएंगे। रोजगार तो सभी को मिलेगा, हां, कुछ इंतजार करना पड़ सकता है। दरअसल, आईआईटी, बॉम्बे अपनी नीति के तहत शुरुआत में कंपनियों के नाम और पैकेज का आधार तय करता है। जाहिर है, जब आप बड़ी विदेशी कंपनियों को प्लेसमेंट के लिए बुलाएंगे, तो वे बड़ी नौकरियां और बड़े पैकेज के साथ ही आएंगी। दूसरी बात, इसमें कोई शक नहीं कि बड़ी विदेशी कंपनियों ने पदों की संख्या घटा दी है। इसलिए कैंपस प्लेसमेंट में भारतीय कंपनियों को तरजीह देने की जरूरत है। भारत में प्रतिभाओं की भरमार है और आबादी भी बहुत ज्यादा है। यहां हर किसी को करोड़ रुपये का पैकेज नहीं प्रस्तावित किया जा सकता। वैसे भी करोड़ों की नौकरियां हकीकत नहीं हैं। हम पहले देख चुके हैं कि अनेक संस्थान अपने यहां प्लेसमेंट की पूरी हकीकत नहीं बताते और अपना सम्मान बढ़ाने के लिए दुष्प्रचार भी करते हैं। जैसे, महज 22 प्रतिभाओं को करोड़ रुपये का पैकेज प्रस्तावित होता है और प्रचार कर दिया जाता है, 80 से ज्यादा युवाओं को करोड़ की नौकरी का प्रस्ताव किया गया। संस्थानों को सच बताना चाहिए। अपने यहां से पढ़कर निकल रहे छात्रों को योग्य बनाने और ज्यादा से ज्यादा धन का पैकेज दिलाने की किसी संस्थान की कोशिश कतई गलत नहीं है, बल्कि यह काम तमाम संस्थानों को करना चाहिए, पर इसके लिए दुष्प्रचार का सहारा लेना अनुचित है। बड़ी नौकरियां या बड़े पैकेज की नौकरियां जहां खुशी का कारण बनती हैं, तो वहीं लाखों नौजवानों को इससे निराशा भी होती है। एक तर्क तो यह भी है कि भारत में बड़े पैकेज वाली चंद नौकरियों के बजाय औसत दर्जे की ढेर सारी नौकरियों की ज्यादा जरूरत है। अर्थव्यवस्था की असलियत का पता करोड़ों के पैकेज से नहीं चलेगा और न इससे विकास दर का फैसला होगा। अपने देश में हमें ऐसे संस्थानों की ज्यादा जरूरत है, जो युवाओं को उद्यमशीलता के लिए तैयार करें। सरकारों को भी उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए ज्यादा प्रयास करने चाहिए और उससे भी जरूरी है कि देश में समग्र उच्च शिक्षा को उच्च स्तर पर लाया जाए।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

भक्त और भगवान का अनोखा रिश्ता

(लेखक-राजेन्द्र साहू)

साहू समाज की आराध्य भक्त शिरोमणी माँ कर्मा देवी माँ कर्मा की 1008वीं जयंती पर विशेष

साहू समाज की आराध्य भक्त शिरोमणी माँ कर्मा की जयंतिया सम्पूर्ण देश में बहुत ही श्रद्धा व हर्षो उल्लास के साथ मनाई जाती है। इस वर्ष उनकी 1008वीं जयन्ती पर उनकी प्रभु भक्ति व समाज को गौरांवित करने वाले चमत्कारों का उल्लेख कर उन्हें प्रणाम कर रहे है।

कर्मा कर्म प्रबोधनी भक्तिमती सुख मूल,
अनुराग के फूल की, माता करें कबूल । कीर्ति कलश अवधारिणी, धवल प्रेम आयाम,
कांति-शन्ति की प्रणयनी, माता तुम्हे प्रणाम ।।

भक्त और भगवान का अनोखा नाता है। इस पावन नाते में इतना आकर्षण है कि तीनों लोकों के अधिपति भी भक्त की आराधना से खिचे चले आते है। भक्त प्रहलाद, बालक ध्रुव, मीराबाई, सूरदास जी समेत अन्य भक्तों ने भी अपनी त्याग तपस्या के बल पर भक्ति की इस शक्ति को सिद्ध किया है। माँ कर्मा देवी भी इन्हीं में से एक है जिन्होंने अपनी भक्ति के तपोवल का उपयोग जगत कल्याण के लिए किया व प्रभु दर्शन कर जनमानस के लिये प्रभु भक्ति का मार्ग प्रशस्त किया। समस्त साहू समाज उनके कृतित्व से कृत कृत्य हुआ। साहू समाज को पहचान देने वाली भक्त शिरोमणी माँ कर्मा तो आदि शक्ति का रूप थी उन्होंने मानव तन धारण कर साहू समाज में जन्म लिया और साहू समाज में आये कठिन संकट हाथी की खुजली को मिटाने के लिए तेल कुंड को भरकर साहू जाति का उद्धार किया जो मानव सार्मथ्य से बाहर था। उनकी भक्ति में इतना वात्सल्य था कि भगवान श्री जगदीश स्वामी को जगन्नाथ पुरी मंदिर से बाहर आकर बाल रूप में माँ कर्मा की खिचड़ी का भोग ग्रहण करना पड़ा व जगन्नाथपुरी में प्रभु को माँ कर्मा की खिचड़ी को ही प्रथम भोग के रूप में भी स्वीकार करना पड़ा।

माँ कर्मा की भक्ति से प्रभावित होकर राजस्थान के प्रसिद्ध संत श्री गोस्वामी नाभा जी ने सन् 1614 ई.वी. में भक्त माल ग्रंथ में 246 टीका कवित्त 597 में माँ कर्मा देवी के जीवन चरित्र को दर्शाया है। जन्म, विवाह, भक्ति, भविष्य का चित्रण अपने ज्योतिष विद्या के अनुसार बिल्कुल सही प्रकट किया था कि:-

कर्मा माई की कथा अब वर्णो चितलाय ।
अवलों जासु प्रभाव जग सुनहुं संत समुदाय ।।

माँ कर्मा के जीवन चरित्र पर सरल कवित, दोहा, चौपाई, छंद, सोरठा, छप्पय,
आल्हा, कर्मा चलीसा, कर्मा पच्चासा आदि अनेक लेखों के माध्यम से भी लिखा जा चुका है।

अखिल भारतीय साहू समाज की गौरवगाथा भक्त शिरोमणी माँ कर्मा की कृपा व उनकी प्रेरणा से जुड़ी है। बताया जाता है कि लगभग एक हजार वर्ष पूर्व उत्तर प्रदेश झांसी के श्री रामशाह के घर चैत्र मास कृष्ण पक्ष एकादशी संवत् 1073 ई. को एक बहुत ही सुन्दर कन्या ने जन्म लिया। उस समय विद्ववानों ने बताया कि यह कन्या बहु ही गुणवान व भगवान की उपासक रहेगी। अतः इसका नाम कर्मा बाई रखा जाये। कर्मा ज्यों-ज्यों बड़ी हुई त्यों-त्यों उनकी भगवान कृष्ण के प्रति आस्था बढ़ती गई।चन्द्रमा की सोलह कलाओं की तरह कर्मा बाई उम्र की सीढ़ी देखते ही देखते पार कर गयी। कर्मा बाई विवाह योग्य हो जाने पर उनका विवाह नरबरगढ़ के प्रतिष्ठित तैल व्यवसायी श्री धर्मदास जी से कर दिया गया। विवाह के उपरांत कर्मा बाई सुख चैन से रहने लगी। पति सेवा के पश्चात् जितना भी समय मिलता वह भगवान श्री कृष्ण के पूजन अर्चन में लगाती थी। प्रतिदिन भगवान श्री कृष्ण को प्रात: खिचड़ी का भोग लगाया करती इतना अवश्य ध्यान रखती कि प्रभु को भोग लगाने में कहीं देर न हो जाये। इसके लिए कभी-कभी तो बिना स्नान चौका व रीति सदाचार पर ध्यान दिये बिना ही खिचड़ी का भोग बनाकर बहुत ही श्रद्धा से भोग अर्पण करती थीं।

साँची नीति करें प्रभुमाही रीति दिवस बिखरे सुधि नाहीं ।
कब में रूचि - रूचि भोग लगाऊँ कब लालाहिं मैं भोग लगाऊं ।।

एक बार झाँसी नरबरगढ़ के राजा के हाथी को असाध्य खुजली का रोग हो गया। राज वैद्यो के उपचार के बाद भी हाथी का रोग ठीक नहीं हुआ। तब किसी ने राजा को सलाह दी कि कुंड पर तेल में हाथी को नहलाया जाये तो उसकी खुजली मिट सकती है। उस समय साहू लोग तेल का व्यवसाय करते थे। अत: राजा ने नरबरगढ़ के सभी तेल व्यवसायियों को तेल से कुंड भरने का आदेश दिया। तेल व्यवसायियों ने राजा के आदेश का पालन करते हुये तेल कुंड को भरने के लिए रोज कुंड में तेल डालना शुरू किया लेकिन तेल का कुंड भरना इतना आसान नहीं था, तेल व्यवसायियों का सारा तेल खत्म हो गया लेकिन कुंड नहीं भरा तब एक माह के पश्चात सभी तेल व्यवसायियों ने माँ कर्मा से प्रार्थना की-हे माँ तेलियों (साहू) पर आयी विपदा को दूर करो। माँ कर्मा भगवान कृष्ण की अन्ययन भक्त थी उन्होंने अपने साहू समाज पर आय विपदा को दूर करने के लिए भगवान कृष्ण को अर्न्तध्यान होकर पुकारा तब माँ कर्मा के कानों में भगवान कृष्ण की वाणी सुनाई दी:-

यदा यदा ही धर्मस्यग्लानिभवति भारत:,
अभ्युत्थानं धर्मस्य तदात्मानं सृजाम्हम्। परित्राणाम् साधूनां विनाशाय च दुष्क्रताम्,

व अपने समाज की आराध्य देवी भक्त शिरोमणी माँ कर्मा के त्याग तपस्या और जनकल्याण का यशगान करते हुये सभी गर्व करते है कि हम उस माँ कर्मा देवी की सन्तान है।

भक्ति की शक्ति माँ कर्मा, कृष्ण नाम लय लीन ।
समाज को गौरव दे गई, हमें करे भय हीन ।।

आज पूरे भारत में तैलिक जाति की आबादी लगभग 12 से 23 करोड़ है जो लगभग 850 उप जातियों के नाम से देश के कोने-कोने में निवासरत् है। इसके साथ ही हजारों वर्ष पूर्व भी देश में तैलिक जाति का गौरवशाली इतिहास रहा। कई राज्यों में तैली (साहू) जाति के राजाओं ने राज्य किया है जिनका इतिहास समाज साहित्यों में भरा पड़ा है। आज भी देश में साहू जाति के लोग उच्च पदों पर मौजूद है। सामाजिक, साहित्यिक, उच्च शिक्षा, आर्थिक, औद्योगिक व राजनैतिक क्षेत्रों में अग्रणी हैं। वर्तमान में देश के प्रधान मंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी जी, मुख्यमंत्री के रूप में श्री रघुवरदास जी (झारखण्ड) व अनेक जिलों में सांसद, महापौर, विधायक, पार्षद, न्यायाधीश, पंच, सरपंच आदि मौजूद है। जो समाज का गौरव बढ़ा रहे हैं। हम सब माँ कर्मा के ऋणी है। समाज की यह गरिमा और गौरव हमेशा बरकरार रहे यही कामना माँ कर्मा देवी से करते है।

अंसारी की मौत पर बेवजह प्रलाप क्यों?

(लेखक-सुरेश हिंदुस्तानी)

भारत के कुख्यात अपराधी मुख़्तार अंसारी की मौत के मामले को राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रकार मौत के बहाने एक बार फिर से तुष्टिकरण की राजनीति की जा रही है। आतंकियों और अपराधियों को संप्रदाय से अलग देखने की क़वायद करने वाले कुछ राजनीतिक दल इस मौत को भी सांप्रदायिक चश्मे से देख रहे हैं। जबकि यह सत्य है कि किसी भी अपराधी को सजा उसके स्वयं के कर्म ही देते हैं। लेकिन राजनीतिक दलों को इसमें भी वोट की राजनीति करने का बहाना मिल जाता है। आज उत्तरप्रदेश अपराध मुक्त राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहा है, जिसके कारण अपराध करने वाला अपने कर्म को करने से पहले उसकी होने वाली परिणति को भांप लेता है और संभल जाता है, लेकिन उत्तरप्रदेश के विपक्षी दलों की दिशाहीन राजनीति फिर से उसी मार्ग पर जाने का रास्ता बनाने वाली दिख रही है, जिस मार्ग पर चलकर उत्तरप्रदेश बहुत पीछे हो गया था। आज राजनीति को अपराध से मुक्त करने की आवश्यकता है। ऐसी ही नीति बनाकर राजनीतिक दलों को अपने कदम बढ़ाने चाहिए। लेकिन हम यह भी भली भांति जानते हैं कि इस प्रकार की राजनीति के माध्यम से देश में जिस प्रकार का खेल खेला गया, उससे न तो देश का भला हुआ और न ही उस समाज का ही भला हुआ। आज इस बात से कोई भी व्यक्ति इंकार नहीं कर सकता कि बाहुबल का पर्याय बन चुकी उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब पहले जैसी धमक नहीं है। सरकारों को अपने संकेतों पर चलाने वाले उत्तर प्रदेश में माफिया राज का अंत हो चुका है। उल्लेखनीय है कि लम्बे समय से उत्तरप्रदेश में माफिया राज हावी था, यह माफिया हो चाहता था, राजनीतिक संरक्षण में उसको अंजाम भी देता रहा है। जिसके कारण तमाम अपराधी रंगदारी, हत्या, हत्या के प्रयास और ज़मीन पर कब्ज़ा करने के लिए अपनी दबंगई दिखाते थे, अब वैसी दबंगई नहीं दिखती तो इसके पीछे शासन और प्रशासन की सकारात्मक सक्रियता ही है।

उत्तरप्रदेश में बाहुबली नेता के तौर पर स्थापित होकर राजनीति करने वाले मुख़्तार अंसारी की मौत पर जमकर राजनीतिक बयानबाजी की जा रही है, कोई मुख़्तार की मौत को हत्या बताने की राजनीति की जा रही है तो कोई इसे वोट कबाड़ने की सीढ़ी बनाने का प्रयास कर रहा है। यह सभी जानते हैं कि मुख़्तार अंसारी कोई सामान्य अपराधी नहीं था, उस पर 65 मामले दर्ज थे, जिनमें उसको आठ को सजा भी मिल चुकी है, लेकिन इसके बाद भी इस कुख्यात अपराधी के साथ राजनीतिक दलों का खड़े होना कई प्रकार के प्रश्न पैदा कर रहा है। विपक्षी दल जो आरोप लगा रहे हैं, वे एक अपराधी को समर्थन देने जैसा हैं। इससे यह भी अर्थ निकाला जा सकता हैं कि विपक्ष की राजनीति का आधार भी माफिया ही हैं।

आज ज़ब विपक्षी राजनीतिक दलों की ओर से मुख़्तार अंसारी की मौत के कारणों की जांच की मांग की जा रही है, तब इसे इसलिए न्यायसंगत कहा जा सकता है कि जांच की मांग करना पूरी तरह से न्यायोचित है, लोकतांत्रिक देश में यह अधिकार सभी को है, लेकिन किसी घटना के बारे निर्णय कर देने की राजनीतिक परंपरा जनता को भ्रमित करने जैसी ही मानी जाएगी। ऐसे में यही कहा जा सकता है कि एक अपराधी को महिमामंडित करके उसके क्रियाकलापों का समर्थन करना राजनीति को अपराध से युक्त करना एक राजनीतिक प्रयास ही माना जाऐगा। यहां एक सवाल यह भी उपस्थित हो रहा है कि मुख़्तार अंसारी के परिजनों ने यह स्पष्ट तौर पर कहा था कि उनकी तबियत बहुत ही खराब है, इसलिए यह भी कहा जा सकता है कि हो सकता है कि मुख़्तार की मौत बीमारी के कारण ही हुई हो, जिसकी पूरी संभावना भी है, क्योंकि ज़ब उनका परिवार ही गंभीर बीमारी की बात कर रहा हो, तब ऐसे सवाल उठाना राजनीति के अलावा कुछ नहीं। दूसरी बात यह भी मानी जा सकती है कि एक समय अपराध की दुनिया के शातिर रह चुके मुख़्तार अंसारी की वह ज़मीन पूरी तरह से खिसक चुकी थी, जिसके सहारे लोगों में डर का माहौल बनता था। इसके कारण उसके चेहरे पर चिंता की लकीरें आना स्वाभाविक है और यही चिंता की लकीरें बहुत बड़े अवसाद का कारण भी बनती हैं। हो सकता यही तनाव उसकी मौत का कारण हो।

उत्तरप्रदेश लम्बे समय तक अपराध युक्त राजनीति का केंद्र रहा है। तमाम अपराधी भी इसके सहारे राजनीतिक संरक्षण प्राप्त करते रहे हैं। इस संरक्षण के माध्यम से बाहुबली राजनीति के पर्याय बने नेताओं ने जहां एक ओर ज़मीनों पर अवैध कब्जा किए, वहीं कभी कभी निर्दोष लोगों को डराने के लिए हत्या जैसे कारनामों को भी अंजाम दिया। इसके बाद भी कई राजनेता उनके साथ खड़े दिखाई दिए। आज ज़ब राजनीति को अपराध से मुक्त करने की आवाज उठाई जाती है, तब उसका इशारा यह स्पष्ट संकेत देता है कि बाहुबल के सहारे जो खेल खेला जाता है, उस पर रोक लगना चाहिए, लेकिन कुछ राजनीतिक दल इस पर मौन साध लेते हैं। यही मौन उनको संरक्षण प्रदान करता है। उत्तरप्रदेश में निश्चित रूप से आज हालात बदले हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिना किसी भेदभाव के प्रदेश को अपराध से मुक्त करने का साहस दिखाया है, उसके सार्थक परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। अब उत्तरप्रदेश में माफिया राज चलाने वाले कुख्यात अपराधी या तो जेल में हैं या फिर उन्होंने अपना नया ठिकाना तलाश कर लिया है। इसके बाद बने हालातों में उत्तरप्रदेश की जनता को राहत मिली है। अब न तो रंगदारी की जा रही है और न ही कहीं कोई अपराध करने की सोच रहा है। हम जानते हैं कि माफिया का सबसे ज्यादा निशाना भोले भाले नागरिक ही रहते हैं। इनको ही सबसे ज्यादा प्रताड़ना दीं जाती है। लेकिन अब ऐसे मामलों में बहुत कमी आई है। आम जनता ऐसा ही वातावरण चाहती है। अब मुख़्तार अंसारी की मौत को राजनीतिक रंग देना विपक्ष की किस मानसिकता को उजागर कर रहा है। कहीं यह उत्तरप्रदेश को फिर से बाहुबली राजनीति के मार्ग पर ले जाने का प्रयास है। अगर यह सत्य है तो इस प्रकार की राजनीति बंद होना चाहिए।

विचार मंथन

आम आदमी पार्टी की संपत्ति कुर्क करेगी ईडी?

(लेखक - सनत जैन)

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ने यह कहकर सनसनी फैला दी है। जिसमें कहा गया है, शराब घोटाले का पैसा गोवा चुनाव में खर्च किया गया है। इसके पर्याप्त सबूत ईड़ी के पास हैं। आम आदमी पार्टी की संपत्ति ईड़ी कुर्क कर सकती है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ने हाईकोर्ट में कहा, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रथम दृष्टया मनी लॉन्ड्रिंग का मामला बनता है। केजरीवाल की भूमिका राष्ट्रीय संयोजक होने के नाते इस मामले में प्रत्यक्ष बनती है। शराब घोटाले में जो रिश्वत की रकम प्राप्त हुई थी। वह गोवा के चुनाव प्रचार में खर्च की गई है। राजू ने यह तर्क भी दिया, कि पैसा नहीं मिला, इसका मतलब यह नहीं है, कि मनी लॉन्ड्रिंग का अपराध नहीं हुआ है। सामान्य तौर पर केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय द्वारा आम आदमी पार्टी के खिलाफ संप त्ति जप्त करने की पहली कार्रवाई होगी। ईड़ी द्वारा पीएमएलए कानून की जिस धारा का उपयोग कंप नियों के लिये किया जाता है, वही धारा आम आदमी पार्टी के खिलाफ शराब घोटाले में उपयोग की है। ऐसी स्थिति में राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव में खर्च की गई राशि को मनी लांड्रिंग के दायरे में लाया जा रहा है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर राजनीतिक दलों को मिलने वाले चुनावी बांड का जो खुलासा हुआ है। उसमें कई कंपनियों ने चुनावी बांड के जरिए राजनीतिक दलों को चंदा दिया है। यह पैसा राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव में खर्च किया गया है। कई ऐसी कंपनियों के मामले सामने आए हैं। जो सेल कंपनियां बताई जा रही हैं। कई ऐसी भी कंपनियां हैं। जिन्होंने राजनीतिक दलों को करोड़ों रुपए का चंदा दिया है। उनके पास पैसा कहां से आया। बांड से दिए गए चंदे के पहले और बाद में सरकार द्वारा उन्हें सरकारी ठेका दिया गया? है। ईड़ी अथवा सीबीआई के छापा की कार्रवाई से बचने के लिए चुनावी बांड से चंदा दिया है। जिन कंपनियों ने चुनावी बांड से चंदा दिया है। उनकी बैलेंस शीट में उसका उल्लेख नहीं है। यह मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। चुनावी बांड कानून में गोपनीयता रखी गई थी। जिसके कारण यह मामला कई वर्षों बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उजागर हुआ है। अभी भी इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। चुनावी बांड के रूप में जिन्होंने राजनीतिक दलों को चंदा दिया है। यदि उनमें भी इसी तरीके की चंदे में गड़बड़ी मिली, ऐसी स्थिति में उन राजनीतिक दलों के ऊपर भी कार्रवाई हो सकती है। पिछले सालों में चुनावी बांड से राजनीतिक दलों को चंदा दिया है। इस तरह के आरोप विपक्षी राजनीतिक दल लगा रहे हैं। चुनावी बांड जिन राजनीतिक दलों को मिले हैं। उस धन का उपयोग चुनाव खर्च और पार्टी के कार्यालय इत्यादि बनाए हैं। इसके प्रमाण अब उपलब्ध हैं। यह पैसा खर्च हो चुका है। इसकी रिकवरी भी संभावित नहीं है। चुनावी बांड के मामले में जो खुलासा हुआ है। उसमें यह भी सामने आया है। सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग ने जहां छापे डाले थे। उसके बाद उन्होंने चुनावी बांड के जरिए राजनीतिक दलों को चंदा दिया। जिनकी केंद्र एवं राज्यों में सरकार थी। चंदे के बाद उनके खिलाफ की जाने वाली कार्यवाही बंद हो गई, या सरकार से उन्हें नए-नए ठेके और कांटेक्ट मिल गए। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में क्या निर्णय लेती है। इस बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है। इतना तो तय है, चुनावी बांड से संबंधित जो जानकारी निकलकर आई है। भविष्य में यदि केंद्र की सरकार बदली। अथवा सुप्रीम कोर्ट द्वारा जांच करने के आदेश दिए गए, तो इसमें बहुत सारे राजनीतिक दलों को मनी लांड्रिग के मामले में फंसना तय है। आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया,संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल के ऊपर जिस तरह से शराब घोटाले में ईड़ी द्वारा जो कार्रवाई की जा रही है। 2 वर्ष से अधिक समय से जांच चल रही है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईड़ी) आम आदमी पार्टी की संपत्ति जप्त करती है। शराब घोटाले में ली गई रिश्वत की रकम को गोवा के चुनाव का बताकर आप से जोड़ेगी। भविष्य में इसके बड़े दीर्घगामी परिणाम होना तय हैं। केंद्रीय जांच एजें सियों द्वारा जिस तरीके से विपक्षी राजनीतिक दलों के ऊपर शिकंजा कसा जा रहा है। जो तौर तरीके अपनाए जा रहे हैं। उससे सभी राजनै तिक दलों के लिये मु श्किलें बढ़ेंगी। कांग्रेस पार्टी के आयकर के मामले में अभी सुप्रीम कोर्ट में है। सुप्रीम कोर्ट में सरकार को अपना कदम वापस लेना पड़ा। कांग्रेस ने याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की थी। उसमें आयकर विभाग द्वारा जिन अनिमियता पर कांग्रेस पार्टी पर आयकर विभाग ने कार्रवाई की थी। उसी अनिमियता पर भाजपा पर कोई कार्रवाई नहीं की। यह मामला कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में उठाया था। आयकर विभाग की निष्पक्षता और सरकारी दबाव को लेकर, आयकर विभाग घिर गया था। आयकर विभाग ने अपनी कार्यवाही को चुनाव तक रोकने का भरोसा सुप्रीम कोर्ट को दिलाया।

ऐसे रहें व्रत में सेहतमंद

इस बार नवरात्र से शुरू कीजिए फिटनेस प्लान। इससे न केवल आप, बल्कि आपका परिवार भी रहेगा हमेशा चुस्त-दुरुस्त।

1. आजकल मौसम बदल रहा है। इसलिए सुबह की शुरुआत गरम दूध से करें। नाश्ते में मेवा, फल, खीरा, टमाटर खाएं, लेकिन इन्हें कच्चा ही खाएं अर्थात तलकर न खाएं। इन्हें कच्चा खाने से भरपूर विटामिन्स, मिनरल्स, कैल्शियम आदि प्राप्त होंगे, जो सेहत के लिए फायदेमंद रहते हैं। तलने से ट्रांस फैट शरीर में जाता है, जो नुकसानदेह होता है। यही नहीं तलने और हाई टेम्परेचर पर गरम करने से इनके पौष्टिक तत्व खासकर विटामिन सी व बी-कॉम्प्लेक्स नष्ट हो जाते हैं। फल व मेवा में प्राकृतिक रूप से साल्ट पाया जाता है। अतः इसमें अलग से नमक डालने की भी जरूरत नहीं है। नमक डालने से ब्लडप्रेशर बढ़ता है। ये हृदयरोगियों के लिए नुकसानदेह होता है।

2. व्रत के दौरान दूध व दूध से बने पदार्थ अवश्य लें, लेकिन देशी घी से बनी मिठाई का सेवन करने के स्थान पर दूध में लौकी, साबूदाना, आलू, कद्दू इत्यादि डालकर खीर बनाएं। इससे प्रोटीन मिलेगा, जो शरीर के लिए फायदेमंद रहेगा।

3. कूटू व सिंघाड़े की पूड़ी खाना हो तो इन्हें ताजे रिफाइन्ड में तलें अर्थात पहले से तले हुए तेल का इस्तेमाल न करें तले हुए तेल से ट्रांस फैट बन जाता है। इससे एसिडिटी, गैस, गैस्ट्रिक अल्सर, कोलेस्ट्रॉल बढ़ना, एंजाइना, हार्ट अटैक, बीपी आदि की समस्या हो सकती है।

4. व्रत के दौरान तली हुई चीजों का सेवन दिन में एक बार से ज्यादा न करें। पूड़ी के साथ फैट फ्री सब्जी खाएं, जैसे आलू, पनीर, लौकी को टमाटर के रस में पकाकर खाएं। स्वाद के लिए इसमें काली मिर्च, जीरा, हरी मिर्च डाल सकती हैं।

5. व्रत के खाद्य पदार्थ हजम करने के लिए एक वक्त दही का सेवन अवश्य करें। दही से अन्य कई पदार्थ बनाकर भी खा सकती हैं, जैसे सब्जियों का रायता व सिंघाड़े की कढ़ी आदि।

6. यदि आप कामकाजी हैं तो अपने टिफिन में कोई एक फल, मेवा जरूर रखें। यदि घर का कोई सदस्य टिफिन ले जाता है तो ऐसा ही आप उन लोगों के लिए भी कर सकती हैं।

7. यह ध्यान रखें कि आजकल दिन में मौसम गरम हो जाता है। अतः आप जूस, दूध, मट्ठा, लस्सी का सेवन थोड़ी-थोड़ी मात्रा में करती रहें। इससे आपको डिहाईड्रेशन, कब्ज आदि नहीं होगा।

8. यदि आप बुजुर्ग हैं तो व्रत के दौरान एक बार खाने का नियम न रखें। सुबह दूध, दोपहर में पूड़ी-सब्जी, शाम को फल-मेवा, रात में कुछ मीठा जैसे साबूदाना, लौकी की खीर खाएं। बीच-बीच में जूस, जीरे वाला मट्ठा, केसर-इलायची युक्त दूध लें। इससे आपको सभी जरूरी पौष्टिक तत्व प्राप्त होंगे। साथ ही आपकी पाचन क्रिया भी सही रहेगी।

9. यदि घर में छोटे बच्चे व्रत रखें तो उन्हें उनकी मनपसंद मिठाईयां, खीर बनाकर दे सकती है। फलों में केला उन्हें पोषण देगा। पूड़ी-आलू भी दे सकती हैं, जो बच्चों का मनपसंद पकवान होता है। बच्चे दूध से बनी आइसक्रीम भी खा सकते हैं। काजू, किशमिश भी उन्हें दे सकती हैं। इसके अलावा भुनी हुई मूंगफली व साबूदाने की खिचड़ी भी उनको पसंद आएगी।

10. यदि आप हृदयरोग, ब्लडप्रेशर और डाइबिटीज से पीड़ित हैं तो नवरात्र के दिन आपके लिए बहुत लाभदायक साबित हो सकते हैं। इस दौरान घी, डालडा, नमक का सेवन न करें। फलाहारी नाश्ता व भोजन आपकी सेहत के लिए बहुत अच्छा रहेगा। बस एक बात का ध्यान रखें कि व्रत करने से पहले आप अपना ब्लडप्रेशर, ब्लडशुगर व ईसीजी अवश्य करवा लें और हर दूसरे दिन बीपी व शुगर चेक करें। निश्चित रूप से आपका ब्लडप्रेशर व शुगर सामान्य हो जाएगा। अच्छा होगा यदि आप अपने फैमिली डॉक्टर से परामर्श कर लें।

11. यदि आप गर्भवती हैं तो अपनी पूरी कैलोरीज लें, ताकि आपके होने वाले शिशु की सेहत सही रहे। अपने खानपान में पौष्टिक चीजों को सम्मिलित करें। यदि आप आयरन, कैल्शियम, विटामिन्स की दवा ले रही हैं तो इनका सेवन करती रहें, दवा खाना बंद न करें।

12. व्रत के दौरान अपनी दिनचर्या बदलने की जरूरत नहीं है। सुबह जल्दी उठकर पूजा करके टहलना व योग करना न भूलें। आप प्राकृतिक चीजों का सेवन करके और ऊर्जावान रह सकती हैं। इसके साथ ही अपने कार्यालय और घर के समस्त कार्य समय पर निबटाकर पर्याप्त नींद अवश्य लें।

लाडले का खानपान

कुछ भ्रम, कुछ हकीकत

बच्चों के खानपान को लेकर अनेक भ्रांतियां हमारे घरों में प्रचलित हैं, जिनके फलस्वरूप हम अनजाने में ही अपने बच्चों के कुपोषण का कारण बनते हैं। कुछ बातों पर अमल करके आप अपने शिशु को सही पोषण प्रदान कर उसे सेहतमंद भविष्य प्रदान कर सकती हैं।

भ्रम – तीन से चार माह में ठोस आहार शुरू करने से बच्चे का शारीरिक विकास अच्छा होगा।

हकीकत – डब्लूएचओ के मुताबिक शिशुओं को छः माह तक सिर्फ स्तनपान कराना चाहिए। इससे छोटे बच्चों को न तो ठोस आहार की आवश्यकता होती है और न ही उसे पूर्णतः पचाने की क्षमता। कई रिसर्च द्वारा सिद्ध हुआ है कि समय से पहले ठोस आहार शुरू करने वाले बच्चों में फूड एलर्जीज भी अधिक होती है। इसलिए छः माह तक सिर्फ मां का दूध ही सर्वोत्तम है।

भ्रम – ठोस आहार शुरू करते समय जूस, कस्टर्ड, बिस्कुट, ब्रेड आदि से बच्चे को संपूर्ण पोषण मिलता है।

हकीकत – छः माह के उपरांत ठोस आहार देते समय शिशु को अन्न देने पर प्राथमिकता दें। जूस, मैदा आदि देने की अपेक्षा बच्चे के छोटे से पेट को दलिया, खीर, दाल, आदि पोषक अन्न से भरें। इससे बढ़ते बच्चे की शारीरिक विकास की जरूरतें पूरी हो सकेंगी।

भ्रम – पहले दो साल तक बच्चा जितना दूध लेगा, तंदुरुस्त होगा।

हकीकत – बढ़ती उम्र के साथ बच्चे की पोषण संबंधी जरूरतें भी बदल जाती हैं। पहले साल के उपरांत बच्चों को प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट, कैलशियम, आयरन, विटामिन आदि का सही मिश्रण चाहिए, जो कि विभिन्न खाद्य सामग्रियों की %बैलेंस्ड डाइट% द्वारा ही संभव है।

भ्रम – बच्चे को दस्त आने पर या बीमार पड़ने पर खाना-पानी का सख्त परहेज करना चाहिए।

हकीकत – उपरोक्त कथन बिल्कुल गलत है। बीमारी के समय कराए जाने वाले अधिकतर परहेज आवश्यक नहीं होते। बीमारी के समय बच्चों की खुराक वैसे ही कम होती है। ऐसे में रही सही कसर ये परहेज पूरी कर देते हैं। इससे बच्चे में कमजोरी आती है और वह कुपोषण का शिकार होता है। इसलिए हमें चाहिए कि बीमारी/दस्त के दौरान बच्चे को पूर्ण आहार दें, ताकि वह बीमारी से लड़ने में सक्षम हो।

भ्रम – बच्चे जितना खाएं उतना अच्छा है। बच्चे तो गोल-मटोल ही अच्छे लगते हैं।

हकीकत – सावधान रहें। आज के समय में कुपोषण जितनी ही बड़ी समस्या बच्चों में अत्यधिक वजन व मोटापा भी है खासकर शहरों में। बच्चे का वजन न तो बहुत कम हो न बहुत अधिक। बच्चे को संतुलित भोजन दें, ज्यादा तली खाद्य सामग्री, मिठाई, चॉकलेट व जंक फूड से परहेज करें व बच्चे के व्यायाम पर भी ध्यान दें।

भ्रम – विभिन्न प्रकार के टॉनिक देने से बच्चा तंदुरुस्त हो जाएगा।

हकीकत – याद रखें बच्चे का विकास सही खाने-पीने से होगा, टॉनिक से नहीं। कुछ बच्चों में कैल्शियम, आयरन व विटामिन के टॉनिक शारीरिक कमियों को पूरा जरूर करते हैं, किंतु उसकी पोषण संबंधी जरूरतें सही बैलेंस्ड डाइट द्वारा ही पूरी हो सकती हैं, जिस पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

भ्रम – कामकाजी माताओं के पास बोतल से दूध देने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता।

हकीकत – कामकाजी महिलाओं के लिए बेहतर विकल्प है कि वे काम पर जाते समय अपना दूध कटोरी में ढककर रख दें। इस दूध को सामान्य तापमान में एक घंटे व रेफ्रिजरेटर में बारह घंटे तक आसानी से रखा जा सकता है, जिसे बाद में परिवार के अन्य सदस्य सफाई से चम्मच कटोरी द्वारा पिला सकते हैं।

भ्रम – रात के समय बच्चे को चावल, केला, संतरा, अंगूर आदि नहीं देना चाहिए, क्योंकि बच्चे को सर्दी जुखाम हो सकता है।

हकीकत – अक्सर कहा जाता है कि उपरोक्त ठंडी तासीर वाले खाद्य पदार्थो को रात में खिलाने से बच्चे को सर्दी पकड़ जाती है, पर वास्तव में इस तथ्य में कोई सच्चाई नहीं है। इसलिए हमें बेवजह भ्रांतियों व परहेजों को छोड़कर बच्चों को आजादी से खाने-पीने देना चाहिए।

टेंशन को कहो बाय-बाय

तनाव हमारी सेहत का सबसे बड़ा शत्रु है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव से बचा भी नहीं जा सकता। फिर भी कुछ बातों पर अमल करके आप तनाव को काबू में कर सकती हैं।

- प्रतिदिन थोड़ी देर व्यायाम अवश्य करें। कई शोध-अध्ययन से यह बात सच साबित हुई है कि व्यायाम तनाव दूर करने में काफी सहायक होता है।
- स्वास्थ्यवर्द्धक खानपान से भी तनाव में काफी हद तक काबू पाया जा सकता है।
- कई बार थकान के चलते भी दिमाग में तनाव हावी हो जाता है। ऐसे में आपको बहुत जल्द गुस्सा आ जाता है। इसलिए थकान की स्थिति में थोड़ी देर विश्राम करें। विश्राम करने से दिमाग शांत हो जाता है।
- यदि आपको किसी जगह जाने में विलंब हो चुका है तो हड़बड़ी न करें। इससे तनाव और बढ़ता है। उन कारणों पर विचार करें, जिनके कारण विलंब हुआ है। ऐसे कारणों को भविष्य में न दोहराएं।
- जब भी तनाव महसूस हो, किसी खुले स्थान पर आकर धीरे-धीरे गहरी सांस लें और छोड़ें। शोध-अध्ययनों से यह बात साबित हो चुकी है कि गहरी सांस लेने से तनाव काफी कम होता है और आप राहत महसूस करती हैं।
- अपने को किसी मनपसंद शौक से जोड़कर रखें। यदि आपकी संगीत में दिलचस्पी है तो मनपसंद संगीत सुनें। इच्छा हो तो खुद भी गुनगुना सकती हैं। इसी तरह आप अपना पसंदीदा टीवी कार्यक्रम भी देख सकती हैं। आप चाहें इंडोर गेम्स भी खेल सकती हैं।
- हाल ही में जर्मनी में हुए एक अध्ययन से यह पता चला है कि पेड़-पौधों के पास समय बिताने से मानसिक रूप से दिमाग शांत होता है। इसलिए अगर आपको शौक है बागवानी में मशगूल हो सकती हैं।
- हेल्थ एक्सप?र्ट्स के अनुसार योग और मेडिटेशन करने से भी तनाव दूर भगाया जा सकता है। इसलिए प्रतिदिन थोड़ा समय निकालकर योग और मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या में अवश्य शामिल करें।
- कई शोध-अध्ययनों से यह बात सिद्ध हुई है कि प्रार्थना में गजब की शक्ति होती है। शायद यही कारण है कि आध्यात्मिक रुझान वाले व्यक्ति विषम से विषम परिस्थितियों में भी निराश नहीं होते। इसलिए कहते हैं कि आस्था शॉकर का काम करती है।

सरोगेसी

कब लें किराए की कोख

सरोगेसी या किराये पर कोख, असिस्टेड रिप्रोडक्टिव ट्रीटमेंट (एआरटी) की एक विधि है। इस विधि के अंतर्गत कोई महिला अपने गर्भाशय में किसी अन्य दंपति के लिये उनके बच्चे को विकसित करती है। सरोगेसी का मामला बहुत जटिल होता है और इसमें चिकित्सकीय, भावनात्मक, वित्तीय और कानूनी मुद्दे भी शामिल होते हैं।

जरूरत किसे है

जब कोई महिला चिकित्सकीय, आनुवांशिक या अन्य कारणों से संतान उत्पन्न करने में असमर्थ होती है, तो दंपति किसी सरोगेट मां की मदद लेते हैं, जो उनके लिये अपनी कोख में बच्चे को पालती है। इन स्थितियों में सरोगेसी की जरूरत पड़ सकती है..

- जब किसी महिला को गर्भावस्था को बनाए रखने में कठिनाइयां हों।
- गर्भाशय में फाइब्रॉयड, अनेक कारणों से गर्भाशय के आकार में विकार और उसकी संरचना में असामान्यताएं हों।
- बच्चेदानी की लाइनिंग के क्षतिग्रस्त होने पर (एशरमैन्स सिंड्रोम) और जननांग की टी.बी. होने पर।
- आधुनिक उपचार के बावजूद बार-बार गर्भपात।
- अच्छी गुणवत्ता वाले भ्रूण के विकसित होने के बावजूद आईवीएफ उपचार का बार-बार विफल होना।
- जिस महिला ने हिस्टेरेक्टॅमी आपरेशन (सर्जरी के जरिये गर्भाशय को हटाना) कराया है।
- जिस महिला का जन्म से ही गर्भाशय सही तरह से विकसित न हुआ हो।
- अनियंत्रित मधुमेह और उच्च रक्तचाप की समस्या।

जेस्टेशनल सरोगेसीः इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) की मदद से अब माता से अंडाणु(एग) को पैदा करना और उन्हें पिता के शुक्राणुओं से निषेचित करना संभव हो चुका है। निषेचित अंडाणु (फर्टिलाइज्ड एग) को किसी गर्भावधि (जेस्टेशनल) सरोगेट माता के गर्भाशय में प्रत्यारोपित करना संभव हो गया है। सरोगेट माता अपने गर्भ में बच्चे को जन्म तक पालती है। जेस्टेशनल सरोगेट मां का बच्चे से कोई आनुवंशिक संबंध नहीं होता है। इसका कारण यह है कि उसके अंडाणु का इस्तेमाल नहीं हुआ। भारत में गर्भावधि (जेस्टेशनल) सरोगेसी को अनुमति प्राप्त है।

गर्भावधि सरोगेसी कानूनी रूप से कम जटिल है। इसका कारण यह है कि बच्चे से माता और पिता दोनों का आनुवांशिक संबंध होता है।

देश के प्रमुख आठ शहरों में आवासीय बिक्री नौ फीसदी बढ़ी: रिपोर्ट

नई दिल्ली । देश के आठ प्रमुख शहरों में जनवरी-मार्च में आवासीय बिक्री में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि कार्यालयों की मांग 43 प्रतिशत बढ़ी। एक संपत्ति सलाहकार ने गुरुवार को एक वेबिनार में भारत रियल एस्टेट: कार्यालय तथा आवासीय रिपोर्ट (जनवरी-मार्च 2024) जारी की। जिसके अनुसार दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, बेंगलुरु, पुणे और अहमदाबाद में जनवरी-मार्च में आवासीय कीमतें सालाना आधार पर दो से 13 प्रतिशत के दायरे में बढ़ीं। कार्यालय का किराया एक से नौ प्रतिशत बढ़ा। आंकड़ों के अनुसार जनवरी-मार्च में आठ प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री बढ़कर 86,345 इकाई हो गई, जो एक साल पहले 79,126 इकाई थी। इस वर्ष जनवरी-मार्च में कार्यालय स्थान का सकल पट्टा 43 प्रतिशत बढ़कर 1.62 करोड़ वर्ग फुट हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 1.13 करोड़ वर्गफुट था। एक रिपोर्ट में कहा गया है` कि रियल एस्टेट बाजार ने एक और असाधारण अवधि का अनुभव किया जिसमें कार्यालय तथा आवासीय दोनों क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन शामिल है।

देश मे सेवा क्षेत्र की वृद्धि मार्च में साढ़े 13 वर्ष के उच्चतम स्तर पर: पीएमआई

नई दिल्ली । देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां मजबूत मांग की वजह से मार्च में साढ़े 13 वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक मार्च में 61.2 पहुंच गया। यह फरवरी में 60.6 पर था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी इंडिया सर्विस पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है। एचएसबीसी के एक अर्थशास्त्री ने कहा` कि फरवरी में मामूली गिरावट के बाद मार्च में भारत की सेवाओं का पीएमआई बढ़ा, मजबूत मांग के कारण बिक्री तथा व्यावसायिक गतिविधि में तेजी आई। सेवा प्रदाताओं ने उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अगस्त 2023 के बाद से सबसे तेज गति से नियुक्तियां बढ़ाईं हैं। सर्वेक्षण में कहा गया` कि रोजगार में नवीनतम वृद्धि कई महीनों में 22वीं और नवंबर 2022 के बाद से संयुक्त रूप से सबसे मजबूत है।इस बीच एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स फरवरी में 60.6 से बढ़कर मार्च में 61.8 हो गया। यह साढ़े 13 वर्षों में दूसरे सबसे मजबूत उछाल को दिखाता है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार चढ़ाव जारी है। हालांकि देश में कुछ दिनों से तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। भारत में तेल कंपनियों ने गुरुवार 4 अप्रैल को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर रखी हैं। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.19 रुपये और डीजल 92.13 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.93 रुपये और डीजल 90.74 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये और डीजल 92.32 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 95.01 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.14 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 94.90 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.14 रुपये प्रति लीटर, गाजियाबाद में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 107.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 93.84 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.47 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.55 रुपये प्रति लीटर है।

ओला इलेक्ट्रिक के बिके 53 हजार से ज्यादा यूनिट्स

-वाहन पंजीकरण ग्रोथ 115 प्रतिशत बढ़कर 328,785 इकाई पर पहुंचा

नई दिल्ली ।

ओला इलेक्ट्रिक कंपनी के महीने भर के अंदर में 53 हजार से ज्यादा यूनिट्स बिक चुके हैं। कंपनी के वाहनों का पंजीकरण वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 में 115 प्रतिशत बढ़कर 328,785 इकाई पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2023 में कंपनी के 1,52,741 वाहन पंजीकृत हुए थे।

कंपनी ने यह जानकारी दी। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 119,310 वाहन पंजीकृत हुए जो तीसरी तिमाही के 84,133 वाहनों की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है। ओला के संस्थापक और अध्यक्ष भाविश अग्रवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया, 'मार्च में 53 हजार पंजीकरण के आंकड़े को छूकर पहली बार 50 हजार को पार किया। वित्त वर्ष 2024 में ईवी उद्योग में 30 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई और मार्च में ईवी वाहनों का अनुपात नौ प्रतिशत से अधिक हो गया। एस1 एक्स (4 केडब्ल्यूएच) के लॉन्च के साथ ओला इलेक्ट्रिक ने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार छह प्रोडक्ट्स एस1 प्रो, एस1 एयर, एस1 एक्स+, एस1 एक्स - 2 केडब्ल्यूएच, 3 केडब्ल्यूएच, 4 केडब्ल्यूएच) तक कर लिया है। इनकी कीमतें अलग- अलग हैं जो विभिन्न रेंज की आवश्यकताओं वाले ग्राहकों की जरूरतें पूरी करने में सक्षम हैं।

ओला इलेक्ट्रिक के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अंशुल खंडेलवाल ने कहा, 'फैक्ट यह है कि

हमने वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में लगभग 1.20 लाख रजिस्ट्रेशन रिकॉर्ड किए हैं, जो हमारे मजबूत स्कूटर पोर्टफोलियो को दर्शाता है, और हमारा लक्ष्य विकास पथ को जारी रखना और देश की इलेक्ट्रिफिकेशन जर्नी में और योगदान देना है।'

ईएफएल ने एमएसएमई वित्तपोषण बढ़ाने जुटाए 400 करोड़

मुंबई । इलेक्ट्रॉनिका फाइनेंस लिमिटेड (ईएफएल) ने सीरीज बी फंडिंग राउंड में 400 करोड़ रुपये जुटाए। इस वित्त पोषण चक्र का नेतृत्व अन्य निवेशकों के साथ लीपफ्रॉग इन्वेस्ट ने किया। ईएफएल ने कहा कि जुटाई गई राशि कंपनी की बैलेंस शीट को मजबूत करेगी और तेजी से विस्तार के एक और चरण को आधार प्रदान करेगी। इसके साथ ही नई पूंजी का उपयोग भारत में उच्च विकास क्षमता वाले विनिर्माण क्षेत्र के एमएसएमई (लघु, कुटीर एवं मझोले उपक्रम) वित्तपोषण को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स फाइनेंस लिमिटेड ने 400 करोड़ रुपये के नए वित्त पोषण पर सहमति जताई है। वित्त पोषण चक्र का नेतृत्व लीपफ्रॉग इन्वेस्टमेंट्स ने किया, जिसमें आविष्कार कैपिटल और अमेरिका स्थित प्रभाव परिसंपत्ति प्रबंधक एन्करेज कैपिटल की भागीदारी थी। ईएफएल की एक व रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दो प्रमुख सामाजिक प्रभाव वाले निवेशकों के साथ यह सहयोग हमें छोटे व्यवसायों को फलने-फूलने आदि में मदद करता है।

सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 4,900 रुपए बढ़ाया

- नई दरें 4 अप्रेल से लागू

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने कच्चे पेट्रोलियम पर विंडफॉल टैक्स को 4,900 रुपए बढ़ाकर 6,800 रुपए प्रति टन कर दिया। नई दरें 4 अप्रैल से प्रभावी हो गई हैं। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के रूप में लगाया जाता है। इससे पहले सरकार ने 15 मार्च को कच्चे पेट्रोलियम पर विंडफॉल टैक्स 4,600 रुपए प्रति टन से बढ़ाकर 4,900 रुपए प्रति टन कर दिया था। डीजल, पेट्रोल और एविएशन टर्बाइन ईंधन के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) शून्य पर जारी रहेगा। पिछले 2 सप्ताह में तेल की औसत कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े कर दरों की समीक्षा की जाती है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में फिर से बढ़ोतरी होने के कारण सरकार ने कच्चे पेट्रोलियम पर अप्रत्याशित करों में वृद्धि की है। 3 अप्रैल को बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण सप्लाई में संभावित बाधा की चिंताओं के बीच तेल की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रही। 4 अप्रैल को सुबह 6 बजे क्रूड 85.48 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा। वहीं ब्रेंट क्रूड 89.47 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। विंडफॉल टैक्स तब लगाया जाता है जब किसी इंडस्ट्री को सामान्य से ज्यादा व अप्रत्याशित मुनाफा होता है। खासकर, इसकी वजह कोई असामान्य घटना हो, जिसके कारण कंपनियों को अच्छा फायदा पहुंचे। जैसे- युद्ध के समय अचानक से पेट्रोल के भाव बढ़ जाएं तो ऑयल एक्सप्लोरेशन कंपनियों को काफी फायदा होता है। भारत में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों पर सबसे पहले जुलाई 2002 में विंडफॉल टैक्स लगाया गया था।

शेयर बाजार रिकार्ड स्तर पर बंद

सेंसेक्स 74,227.63 , निफ्टी 22,514.65 अंक पर पहुंचा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनियाभर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान आईटी, उपभोक्ता सामान और वित्तीय शेयरों में जमकर खरीदारी हुई जिससे भी बाजार को बल मिला। इससे सेंसेक्स और निफ्टी रिकॉर्ड नए स्तर पर पहुंच गये। माना जा रहा है कि निवेशकों ने आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की ब्याज दर में बदलाव की कम उम्मीद को देखते हुए कुछ शेयरों में काफी खरीदारी की। ब्याज दरों पर फैसला शुक्रवार को आयेगा।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.47 फिसदी करीब 350.81 अंक बढ़कर 74,227.63 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान यह 74,501.73 अंक के स्तर तक चला गया था। इसी प्रकार पचास शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.36 फीसदी तकरीबन 80.00 अंक बढ़कर 22,514.65 अंक के स्तर तक पहुंच गया जबकि पिछले दो सत्रों में ये दोनो ही नीचे आये थे। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में 20 के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। इनमें एचडीएफसी बैंक, टाइटन, टेक महिंद्रा और एशियन पेंट्स के शेयर सबसे अधिक बढ़े। इसके अलावा टीसीएस, मारुति, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयर भी बढ़े हैं। वहीं दूसरी ओर एसबीआई, भारती एयरटेल, जेएसडब्ल्यू स्टील, पावरग्रिड, आईटीसी और रिलायंस के शेयर नीचे आये। बीएसई लार्जकैप में 0.34 फीसदी और स्मॉलकैप में 0.54 फीसदी की बढ़त रही। मिडकैप इंडेक्स में 0.11 फीसदी की हल्की गिरावट रही।

एशियाई बाजारों में आज सियोल और टोक्यो लाभ के साथ बंद हुए जबकि हांगकांग और शंघाई आज बंद थे। वहीं यूरोपीय बाजार भी लाभ में रहे। अमेरिकी बाजार में मिश्रित कारोबार हुआ। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.36 फीसदी बढ़कर 88.67 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 2,213.56 करोड़

रुपये की इक्विटी बेची।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से घरेलू शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली। बाजार के खुलते ही प्रमुख इंडेक्स नए सार्वजनिक उच्च स्तर पर कारोबार करते दिखे। एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 74,501 के नए शिखर पर पहुंच गया और 400 अंक बढ़कर 74,270 के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, कुछ देर बाद ये गिरकर 73,900 के स्तर पर आ गया। वहीं एनएसई निफ्टी 50 22,619 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया और 22,550 के स्तर के आसपास ट्रेड करता दिखा। ये भी थोड़ी देर बाद, 22,400 के स्तर पर आ गया।

एचसीएल टेक 25,000 इंजीनियरों को गूगल जेमिनी पर सक्षम बनाएगी

नई दिल्ली ।

आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एचसीएलटेक ने कहा है कि उसने उद्योग समाधान निर्मित करने और कारोबार को बढ़ाने गूगल क्लाउड के साथ अपनी साझेदारी का विस्तार किया है। इसके तहत एचसीएलटेक 25,000 इंजीनियरों को गूगल जेमिनी पर सक्षम करेगी। कंपनी ने कहा कि गूगल क्लाउड की नवीनतम जेनएआई प्रौद्योगिकी पर इंजीनियरों को सक्षम करके कंपनी का लक्ष्य ग्राहकों को उनकी एआई परियोजनाओं के विभिन्न चरणों में सहायता देना है। एचसीएलटेक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह सहयोग गूगल के सबसे सक्षम और बड़े स्तर वाले जेमिनी मॉडल का उपयोग करके एचसीएल टेक के नवीन जेनएआई समाधानों को बाजार में लाएगा। हमारा मानना है कि इससे हमें एचसीएलटेक के विविधतापूर्ण पोर्टफोलियो के जरिये वैश्विक उद्यमों में और भी अधिक मूल्य लाने में मदद मिलेगी। शुरुआत में कंपनी विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा और दूरसंचार क्षेत्र के ग्राहकों के लिए जेनएआई क्षमताएं लाने पर ध्यान केंद्रित करेगी। एचसीएलटेक ने यह भी

कहा कि वह अपने समर्पित क्लाउड नेटिव लैब्स और एआई लैब्स से तैयार उद्योग समाधानों का पोर्टफोलियो मजबूत करने और उसका विस्तार करने के लिए जेमिनी मॉडल का उपयोग करेगी, जो ग्राहक नवोन्मेष में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं तथा एआई विशेषज्ञों और इंजीनियरों द्वारा संचालित होते हैं।

सरकार ने यूएई को 10 हजार टन अतिरिक्त प्याज निर्यात की अनुमति दी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 10,000 टन अतिरिक्त प्याज के निर्यात की अनुमति दी। इसके पहले सरकार ने पिछले महीने यूएई को 14,400 टन प्याज के निर्यात की मंजूरी प्रदान की थी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि एक मार्च, 2024 की अधिसूचना में निर्धारित कोटा के अलावा एनसीईएल के जरिये संयुक्त अरब अमीरात को अतिरिक्त 10,000 टन प्याज के निर्यात की अनुमति दी जाती है। हालांकि सरकार ने घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया हुआ है लेकिन सरकार मित्र देशों के अनुरोध पर उन्हें एक निर्दिष्ट मात्रा में प्याज भेजने की अनुमति देती है। प्याज का निर्यात एनसीईएल के जरिये किया जाएगा जो कई राज्यों में सक्रिय एक सहकारी समिति है। भारत ने बीते वित्त वर्ष में एक अप्रैल से चार अगस्त के बीच 9.75 लाख टन प्याज का निर्यात किया था। मूल्य के लिहाज से प्याज के शीर्ष तीन आयातक देश बांग्लादेश, मलेशिया और यूएई थे।

वित्त वर्ष 24 में कोयला उत्पादन 14 करोड़ टन के पार

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2023-24 में निजी क्षेत्र को आवंटित कोयले का उत्पादन 14.7 करोड़ टन तक पहुंच गया है। निजी क्षेत्र को कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खदान दी गई थीं। सरकारी बयान के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 के 11.6 करोड़ टन की तुलना में वित्त वर्ष 24 में 27 फीसदी अधिक उत्पादन हुआ। कोयला मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 23 में 11 करोड़ टन कोयला भेजा गया था और यह वित्त वर्ष 24 में 30 प्रतिशत बढ़कर 14.3 करोड़ टन हो गया। 31 मार्च, 2024 को 58 कोयला खानों में जबकि 31 मार्च, 2023 में 49 खानों में उत्पादन हुआ। वित्त वर्ष 24 में नौ कोयला खदानों का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हुआ जिसमें चार कैप्टिव खानें और पांच वाणिज्यिक खानें हैं। कोयले के कुल उत्पादन 14.72 करोड़ टन में ऊर्जा क्षेत्र की कैप्टिव खानों का उत्पादन 12.13 करोड़ टन था, गैर बिजली क्षेत्र की कैप्टिव खानों का उत्पादन 84 लाख टन और वाणिज्यिक खानों का उत्पादन 1.75 करोड़ टन था। ये कैप्टिव खानें बीते आठ वर्षों में निजी कंपनियों और राज्य संचालित उपयोग के लिए दी जाती हैं। ऐसा इसलिए शुरू किया गया था जब वर्ष 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने उस समय बीते दशकों के दौरान सभी कोयला ब्लॉक के आवंटन निरस्त

कर दिए थे।

कोयला मंत्रालय ने निजी क्षेत्र के लिए तीन वर्ष पहले कोयला खनन का क्षेत्र खोला था। कोयला मंत्रालय 64 खानों की वाणिज्यिक नीलामी कर चुका है। कोयला मंत्रालय को उम्मीद है कि कोयला का निजी खनन गति पकड़ेगा। इससे देश को कोयले का अधिशेष स्टॉक बनाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा कोयले के सबसे बड़े उत्पादक व वितरक राष्ट्रीय खनक कोल इंडिया लिमिटेड पर दबाव कम होगा।

विस्तारा की उड़ानें रद्द होने से बढ़ी टिकट की कीमतें

नई दिल्ली ।

विमानन कंपनी विस्तारा ने जिन मार्गों पर अपनी उड़ानें रद्द की थीं, उन पर किराये में बढ़ोतरी हो गई है। विस्तारा के कई पायलटों ने बीमार होने की बात कहकर एक साथ छुट्टी ले ली है, जिसके कारण कंपनी को दिल्ली-इंदौर, दिल्ली-श्रीनगर, मुंबई-कोच्चि और बेंगलूरु-उदयपुर जैसे मार्गों पर कल 52 उड़ानें रद्द करनी पड़ी थीं। कयास हैं कि ये पायलट विस्तारा के एयर इंडिया में प्रस्तावित विलय के तहत पेश नए वेतन ढांचे के विरोध में छुट्टी पर गए हैं। जानकारी के अनुसार बेंगलूरु-उदयपुर मार्ग पर 2 अप्रैल को औसत हाजिर किराया करीब 38 फीसदी बढ़कर 6,049 रुपये हो गया, जो 5 मार्च को 4,368 रुपये ही था। दिल्ली-श्रीनगर मार्ग पर 2 अप्रैल को हवाई किराया 5 मार्च के किराये की तुलना में करीब 30 फीसदी तक बढ़ गया था। विमानन उद्योग के सूत्रों के अनुसार बेंगलूर-उदयपुर मार्ग पर किराये में ज्यादा बढ़ोतरी इसलिए भी हुई क्योंकि दोनों शहरों के बीच रोज केवल दो उड़ानें विस्तारा और इंडिगो की हैं। इस

बारे में विस्तारा से कोई बयान नहीं दिया। सूत्रों के मुताबिक विस्तारा ने करीब 25 उड़ानें रद्द की हैं। विस्तारा टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस की संयुक्त उपक्रम है, जिसकी रोजाना 350 उड़ानें चलती हैं। उड़ान रवाना होने से 24 घंटे पहले खरीदे गए टिकट के दाम को हाजिर हवाई किराया कहा जाता है।

आरबीआई के प्रतिबंधों से मुद्रा वायदा सौदों में आ सकती है गिरावट

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नए नियमों से पैदा हुई ऊहापोह के कारण एक्सचेंज में कारोबार होने वाले करेंसी डेरिवेटिव सौदों की मात्रा घट सकती है। नए कायदों के कारण करेंसी डेरिवेटिव में खुदरा निवेशकों और वित्तीय संस्थानों की भागीदारी बरकरार रहने पर भी संशय खड़ा हो गया है। यह डर भी जताया जा रहा है कि मुद्रा खरीदे या उसके लिए अनुबंध किए बगैर ही ली गईं पोजिशन शुक्रवार से पहले निपटानी पड़ेंगी। आरबीआई ने इस बारे में 5 जनवरी को एक सर्कुलर जारी किया था, जो 5 अप्रैल से लागू हो जाएगा। इसमें कहा गया है कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर रुपये में होने वाले करेंसी अनुबंधों के लिए मुद्रा यानी एक्सपोजर होना जरूरी है। 10 करोड़ डॉलर तक की पोजिशन के लिए ट्रेडरों को ऐसे एक्सपोजर का सबूत नहीं देना होता मगर एक्सपोजर होने की पुष्टि करना जरूरी है। मुद्रा वायदा में ज्यादातर लेनदेन खुदरा श्रेणी में होते हैं, जो ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) बाजारों में लेनदेन नहीं कर सकते थे। इन बाजारों में बैंक आम तौर पर मुद्रा होने यानी एक्सपोजर होने का सबूत मांगते थे। मुद्रा वायदा में 60 फीसदी ज्यादा लेनदेन खुदरा कारोबार से ही आते हैं और करेंसी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज पर तरलता बनाए रखने में इनकी अहम भूमिका है। अगस्त 2008 में जब मुद्रा वायदा कारोबार शुरू हुआ था तब आरबीआई ने विदेशी विनिमय दर से जुड़े जोखिमों से बचाव के लिए डॉलर या रुपया मुद्रा वायदा में लेनदेन की अनुमति दी थी।

सोने और चांदी की कीमतों में रेकॉर्ड उछाल!

- सोने के वायदा भाव 70 हजार और चांदी लगभग 80 हजार रुपए

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा भाव में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। गुरुवार को दोनों के वायदा भाव भी तेजी के साथ खुले। इस तेजी के साथ दोनों के वायदा भाव सर्वोच्च स्तर पर पहुंच चुके हैं। सोने के वायदा 70 हजार रुपये और चांदी के वायदा भाव 80 हजार रुपये के करीब पहुंच गए हैं। वैश्विक बाजार में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में बड़ी तेजी देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 69 रुपये की तेजी के साथ 69,868 रुपये के भाव पर खुलकर 46 रुपये की तेजी के साथ 69,845 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी आज तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 88 रुपये की तेजी के साथ 79,099 रुपये के भाव पर खुलकर 386 रुपये की तेजी के साथ 79,397 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,321 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,315 डॉलर था। फिलहाल यह 4.70 डॉलर की तेजी के साथ 2,319.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,324.80 डॉलर के भाव पर उच्च स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 27.30 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 27.06 डॉलर था। फिलहाल यह 0.17 डॉलर की तेजी के साथ 27.23 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 27.45 डॉलर के भाव पर दिन का उच्च स्तर छू लिया। जो बीते 3 साल में सबसे अधिक भाव है।

सूर्यकुमार आज मुंबई इंडियंस के कैंप में शामिल होंगे

नई दिल्ली । मुम्बई इंडियंस टीम के लिए राहत की खबर है। आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के शुक्रवार तक टीम से जुड़ने की उम्मीदें हैं। ऐसे में सूर्या के रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलने की संभावनाएं हैं। सूर्यकुमार राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) द्वारा फिट घोषित किए जाने के बाद 5 अप्रैल तक एमआई के शिविर में शामिल हो सकते हैं। मुम्बई की टीम जब ब्रेक के बाद जब शुक्रवार को मुंबई लौटेगी तभी सूर्या टीम में शामिल होंगे। सूर्यकुमार ने अंतिम बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट दिसंबर 2023 में भारतीय टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे के समय खेल था। उसके बाद से ही टखने की चोट के कारण वह टीम से बाहर चल रहे थे। उन्होंने जोहान्सबर्ग में तीसरे टी20ई में 56 गेंदों में 100 रन बनाए थे। ये इस प्रारूप में उनका चौथा शतक था। ये सीरीज भारतीय टीम ने जीती थी। सूर्यकुमार को 2022 और 2023 के लिए आईसीसी पुरुष टी20आई प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी मिला था। उन्होंने 17 जनवरी को जर्मनी के म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी भी करायी थी। इस कारण भी वह काफी समय तक खेल से भी बाहर रहे थे। सूर्यकुमार के आने से मुम्बई टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी।

आईपीएल में आज आमने-सामने होंगे सनराइजर्स हैदराबाद और सीएसके

हैदराबाद ।

चेन्नई सुपर किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के 17वां मैच में शुक्रवाकर को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीम जीत के इरादे से उतरेंगी। दोनो को ही अपने पिछले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। अब इनका लक्ष्य जीत की लय हासिल करना रहेगा। सीएसके ने 3 में से 2 मुकाबले जीते हैं पर पिछले मैच में उसे दिल्ली कैपिटल्स से हार का सामना करना पड़ा था। अब वह सनराइजर्स को हराकर अपना मनोबल बढ़ाना चाहेगी। हालांकि ये मुकाबला आसान नहीं रहेगा। सीएसके के नये कप्तान रूतुराज गायकवाड़ ने पिछले मैच में मिली हार के बाद यही कहा था। उन्हें और उनके सलामी जोड़ीदार रचिन रविंद्र को हालांकि घूमती गेंदों का सामना करने के लिये तैयार रहना होगा जिसमें वे दिल्ली के खिलाफ असफल रहे थे।

इस मैच में प्रशंसक पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को ऊपरी क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए देखना चाहते हैं। धोनी ने पिछले मैच में शानदार बल्लेबाजी की थी। हालांकि वह युवा शिवम दुबे और समीर रिजवी को अपने से आगे भेजेंगे। गेंदबाजी में चेन्नई को संयोजन पर विचार करना होगा क्योंकि टीम के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान इस मैच में नहीं खेल पाएंगे।अभी तक मुस्ताफिजूर और मथीषा पथिराना की जोड़ी सीएसके के लिये अच्छा प्रदर्शन कर रही थी। अब मुस्ताफिजूर की जगह मुकेश चौधरी ले सकते हैं क्योंकि शार्दुल ठाकुर ने अभी तक एक भी मैच नहीं खेला है। उसे सनराइजर्स के तूफानी बल्लेबाजों को बड़ा स्कोर बनाने से रोकना होगा। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स हैदराबाद को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। उसके बल्लेबाजों ने मुंबई के खिलाफ दूसरे मैच में आईपीएल के इतिहास का सबसे ज्यादा स्कोर बनाया था पर सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल के रन नहीं बनाने से टीम को नुकसान हुआ है। वहीं गुजरात टाइटंस के खिलाफ उसके बल्लेबाज विफल रहे। गेंदबाजी की बात करें तो जयदेव उनादकट, मयंक मार्कण्डेय और भुवनेश्वर कुमार भी अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं। भुवनेश्वर नयी गेंद से असफल रहे हैं। वह तीन मैचों में तीन ही विकेट ले सके हैं। कप्तान पैट कमिंस ने अच्छी गेंदबाजी की है पर उन्हें किसी का साथ नहीं मिला है। टीम की बल्लेबाजी ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन और एडेन मार्करम जैसे बल्लेबाजों पर आधारित रहेगी।

कुल मिलाकर देखा जाये तो मुकाबला रोमांचक रहेगा। दोनों ही टीमों के अंतिम ग्यारह खिलाड़ी इस प्रकार हैं :

सनराइजर्स- ट्रेविस हेड, मयंक अग्रवाल, अभिषेक शर्मा, एडेन मार्करम, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, पैट कमिंस (कप्तान), भुवनेश्वर कुमार, मयंक मारकंडे, टी नटराजन

सीएसके- रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, रचिन रविंद्र, शिवम दुबे, डेरिल मिचेल, एमएस धोनी (विकेटकीपर), समीर रिजवी, रवींद्र जडेजा, दीपक चाहर, मुकेश चौधरी, तुषार देशपांडे, मथीशा पथिराना।

ऋषभ के आक्रमक अंदाज से टी20 विश्वकप को लेकर भारतीय टीम प्रबंधन में उत्साह की लहर

विशाखापत्तनम ।

यहां केकेआर और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए आईपीएल 2024 के मैच में भले ही दिल्ली को करारी हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में अपनी आतिशी पारी से ऋषभ पंत ने प्रशंसकों का दिल जीत लिया। इस मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी में ऋषभ अपने पुराने अंदाज में नजर आये। उन्होंने एक ओवर में ही चौके, छक्के लगाकर 28 रन बटोर दिये। इसे देखकर भारतीय टीम प्रबंधन को भी राहत मिली है। आगामी टी20 विश्वप को देखते हुए टीम प्रबंधन के लिए ऋषभ जैसे बल्लेबाज को फार्म में आते देखना सुखद अनुभव है। इससे इस साल जून में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज को लेकर जारी आशंका भी समाप्त हो जाएगी। ऋषभ ने जिस प्रकार से लगातार दूसरा अर्धशतक लगाया है उससे वह विश्वकप के लिए पसंदीदा खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। ऋषभ ने केकेआर के खिलाफ 25 गेंद पर ही 55 रन बना दिये। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 छक्के और 4 चौके लगाए।

ऋषभ ने वेंकटेश के एक ओवर में लगातार 2 छक्के लगा दिये। इसके बाद चार चौके भी लगाये।

टीम के 8 खिलाड़ियों ने जितने रन पूरे मैच में बनाए, उससे अधिक इस बल्लेबाज ने एक ही ओवर में बना दिये। उन्होंने विकेटकीपिंग भी अब तक शीर्ष स्तर की है। इससे विकेटकीपर बल्लेबाज के अन्य प्रतियोगियों को उन्होंने पीछे छोड़ दिया है।

दिल्ली कैपिटल्स की धीमी ओवर गति के लिए ऋषभ पर 24 लाख रुपये जुर्माना

विशाखापत्तनम । आईपीएल के इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की धीमी गेंदबाजी के लिए उसके कप्तान ऋषभ पंत पर जुर्माना जगाया गया है। दिल्ली ने बुधवार को यहां केकेआर के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में धीमी गति से गेंदबाजी की थी। ये दूसरी बार है जब दिल्ली ने धीमी गति से गेंदबाजी की है। इसी कारण उसके कप्तान पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। अब अगर ऋषभ की टीम तीसरी बार धीमी गति से गेंदबाजी करती है तो कप्तान पर 30 लाख के जुर्माने के साथ ही एक मैच का प्रतिबंध भी लग सकता है। ऋषभ पर अकेले ही जुर्माना नहीं लगा। उनरके साथ ही बाकि खिलाड़ियों पर भी जुर्माना लगा है। केकेआर के खिलाफ मैच में डीसी को सत्र में तीसरी बार हार का सामना करना पड़ा। कप्तान ने इस मैच में अच्छा प्रदर्शन किया पर उन्हें अन्य खिलाड़ियों से सहयोग नहीं मिला। बीसीसीआई ने खेल के बाद एक बयान जारी कर कहा कि दिल्ली द्वारा धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण कप्तान पर जुर्माना लगाया गया है। सीएसके के खिलाफ मैच में भी टीम ने धीमी गति से गेंदबाजी की थी। इसलिए ये जुर्माना 24 लाख रुपये कर दिया गया है। वहीं अन्य खिलाड़ियों पर 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है।

दिल्ली पर बड़ी जीत के साथ ही अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा केकेआर

राजस्थान दूसरे स्थान पर खिसकी , अंतिम अंतिम स्थान पर

मुम्बई ।

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग आईपीए 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बड़ी जीत के साथ ही जीत की हैट्रिक लगायी है। इसके साथ ही आईपीएल अंक तालिका में वह नंबर एक पर पहुंच गयी है। वहीं अब तक नंबर एक पर चल रही राजस्थान रॉयल्स दूसरे नंबर पर फिसल गयी है। दिल्ली के खिलाफ मैच में टॉस जीतकर केकेआर की टीम ने सुनील नरेन की आक्रामक बल्लेबाजी से आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। वहीं इस मैच में 273 रनों के जीत का लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम केवल 166 रन ही बना पायी। इस मैच में दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत ने तूफानी अर्धशतक लगाया पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये।

केकेआर की टीम लगातार तीसरी जीत के साथ ही अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बड़ी जीत के बल पर उन्होंने राजस्थान रॉयल्स को दूसरे नंबर पर खिसका दिया। अब दोनों के एक बराबर अंक और जीत है पर केकेआर नेट रन रेट के मामले में आगे होने के कारण नंबर एक पर पहुंच गयी है। वहीं तीसरे स्थान पर चेन्नई सुपर किंग्स की टीम है जबकि चौथा स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स है। वहीं शुभमन गिल की गुजरात टाइटंस की टीम अंक तालिका में 5वें नंबर पर है। वहीं आईपीएल इतिहास के सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ने वाली सनराइजर्स हैदराबाद छठे नंबर जबकि पंजाब किंग्स सातवें नंबर पर है। कोलकाता से मिली बड़ी हार के बाद दिल्ली की टीम आठवें नंबर पर पहुंच गई है। वहीं मुंबई इंडियंस की टीम अपने सभी मैच हारने के कारण अंतिम स्थान पर है।

संक्षिप्त समाचार

इस प्रकार से हार स्वीकार नहीं की जा सकती : पोंटिंग

खिलाड़ियों को लगायी फटकार

विशाखापत्तनम । दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कोलकाता नाइट राडर्स (केकेआर) के हाथों अपनी टीम की हार पर नाराजगी जतायी है। पोंटिंग ने कहा कि इस मामले में खिलाड़ियों से बात की जाएगी क्योंकि जिस प्रकार का प्रदर्शन टीम ने किया है उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में नाकाम रही। इसी कारण 106 रन से बड़ी हार मिली। उन्होंने इस हार को निराशाजनक बताते हुए अपनी टीम को फटकारा है। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों ने जमकर रन लुटाये जिससे केकेआर की टीम सात विकेट पर 272 रन बनाने में सफल रही। इसके बाद दिल्ली के बल्लेबाज 166 रनों पर ही सिमट गये। पोंटिंग ने कहा, 'अभी इस हार का आंकलन करना मुश्किल है। पहले हाफ में टीम के प्रदर्शन से मैं बहुत निराश हूं। उन्होंने कहा, 'इतने रन नहीं दिये जा सकते हैं। हमने 17 वाइड गेंद डाली और अपने ओवर पूरे करने में दो घंटे लगे। इसी कारण हम फिर दो ओवर पीछे रह गए जिससे अंतिम दो ओवर डालने वालों को सर्कल के बाद चार ही फील्डर मिले। उन्होंने कहा, 'मैच में बहुत कुछ हुआ जो कहीं से भी स्वीकार नहीं किया जा सकता है। हम टीम के भीतर इस पर बात करेंगे और जल्दी ही इसमें सुधार करेंगे। खुलकर अच्छी बातचीत होना जरूरी है। हमें सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

इशांत की गेंदबाजी के सामने मुंह के बल गिर रसेल हुए बोल्ड

विशाखापत्तनम । आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज इशांत शर्मा के सामने आक्रमक बल्लेबाज आंद्रे रसेल की एक न चली। जो रसेल अपने बड़े शॉट लगाने के लिए जाने जाते रहे हैं। वह इस मैच में बेबस दिखे। उनका ये हाल भारतीय टीम से बाहर चल रहे इशांत ने किया। केकेआर की पारी के अंतिम ओवर में ईशांत ने रसेल को इस प्रकार बोल्ड किया जिसे वे हमेशा याद रहेंगे। जब केकेआर की पारी का 19वां ओवर समाप्त हुआ तो उसका स्कोर 5 विकेट पर 264 रन था. तब रसेल 18 गेंद पर 41 रन बना चुके थे। उनकी फार्म को देखकर प्रशंसक उम्मीद कर रहे थे कि वे 20वें ओवर में भी धमाके करेंगे पर ऐसा कुछ नहीं हुआ। इशांत ने उन्हें कोई अवसर न देते हुए पेवेलियन भेज दिया। इशांत ने अपने इस ओवर की पहली ही गेंद पर आंद्रे रसेल को क्लीन बोल्ड किया। 144 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से फेंकी गई ये यॉर्कर रसेल समझ ही नहीं पाये और मुंह के बल गिर गये वह उनका विकेट बिखर गया। इशांत शर्मा की यह गेंद अच्छी थी कि रसेल ने भी उसकी प्रशंसा की है। रसेल ने खड़े होकर इशांत की तारीफ में ताली बजाने के संकेत दिये। इशांत ने अंतिम बार नवंबर 2021 में खेला था। इसके बाद से ही वह भारतीय टीम से बाहर थे।

अंगकृष आईपीएल में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले सातवें युवा खिलाड़ी बने

गुरु अभिषेक नायर ने निखारा

नई दिल्ली ।

युवा ऑलराउंडर अंगकृष रघुवंशी ने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए आईपीएल मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी कर सबका ध्यान खींचा है। अंगकृष ने आईपीएल की अपनी पहली पारी में ही शानदार अर्धशतक लगाया। इसके साथ ही वह आईपीएल में अर्धशतक बनाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बन गए हैं। अंगकृष के गुरु अभिषेक नायर हैं, जिन्होंने उसे निखारने में अहम भूमिका निभाई। अंगकृष ने 18 साल 303 दिन की उम्र में ही अर्धशतक लगा दिया। इसके साथ ही उन्होंने श्रीवत्स गोस्वामी के 17 साल पुराने रिकॉर्ड को चकनाचूर किया जिन्होंने 2008 में अपने आईपीएल डेब्यू पर 52 रन बनाये थे। रघुवंशी आईपीएल में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले सातवें युवा खिलाड़ी बन गये हैं। वह केकेआर के दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं। इससे पहले शुभमन गिल ने केकेआर की ओर से 2018 में 18 साल और 237 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था। वहीं रघुवंशी ने 25 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया।

मैच के बाद इस युवा बल्लेबाज ने कहा, 'अभिषेक नायर मेरे गुरु हैं. जिस तरह से उन्होंने मुझे अभ्यास कराया, कठिन हालातों में रखा वो मेरे अनुभव के लिए पर्याप्त था। जब मैंने अपनी पहली पारी खेली। वह मुझे हर प्रकार की सहायता करते थे। इसमें खाने-पीने से लेकर अभ्यास तक की।' अंगकृष का जन्म 5 जून 2005 को दिल्ली में हुआ था। वह 11 साल की उम्र में मुंबई चले गए थे। मुंबई में उन्होंने अभिषेक नायर और ओमकार साल्वी से क्रिकेट सीखा। वह मुंबई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते रहे हैं। उन्होंने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के बल पर कुछ ही समय में टीम में अपनी जगह बना ली। 2022 अंडर 19 विश्वकप में इस युवा ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया।

स्टार्क ने इस सत्र में पहली बार लिए दो विकेट

विशाखापत्तनम । आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे गेंदबाज मिशेल स्टार्क को इस सत्र में पहली बार दो विकेट मिले हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्टार्क ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में ये दो विकेट लिए। स्टार्क को केकेआर ने 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। स्टार्क ने 273 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली को शुरूआती ओवरों में ही विकेट लेकर दबाव में डाल दिया था। स्टार्क ने 3 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए। इससे पहले खेले गए दो मुकाबलों में वह 100 रन देकर एक भी विकेट नहीं निकाल पाए थे। कैपिटल्स से 106 रन से मिली जीत के बाद स्टार्क ने कहा कि हमने बहुत ज्यादा बदलाव नहीं किया है। टी20 क्रिकेट में सफल होने आपको थोड़े से किस्मत के साथ की भी जरूरत होती है। यहां खेल जल्दी आते हैं। हमारी टीम हर विभाग में आगे हैं। स्टार्क ने वार्नर और मार्श को आऊट करने पर कहा कि उन्हें नियंत्रण में रखना अच्छा है पर हमारी कोशिश ज्यादा विकेट की थी।

न्यूजीलैंड ने पाक दौरे पर भेजी अपनी दूसरे दर्जे की टीम

अनुभवी खिलाड़ियों आईपीएल में हैं व्यस्त

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान दौरे के लिए अपनी बी टीम भेजी है क्योंकि उसके प्रमुख खिलाड़ी अभी भारत में इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल खेलने में व्यस्त हैं। इस सीरीज में न्यूजीलैंड के अधिकतर युवा खिलाड़ी ही भाग लेंगे। अनुभवी खिलाड़ियों के नहीं खेलने के कारण ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल को कप्तानी सौंपी गयी है जबकि उन्हें इसका अनुभव नहीं है। वह पहली बार टीम की कप्तानी करेंगे। अभी ट्रेंट बोल्ट, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिचेर, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिचेल सैंटनर और केन विलियम्सन जैसे अनुभवी खिलाड़ी आईपीएल में खेल रहे हैं। वहीं टिम, टॉम लाथम, विल यंग, कॉलिन मुनरो को भी अलग-अलग कारणों से इस दौरे से बाहर रखा गया है। कीवी टीम को पाक दौरे में पांच टी20 मैच खेलने हैं। टीम की कप्तानी कर रहे ब्रेसवेल भी चोटिल होने के कारण पिछले साल मार्च से ही टीम से बाहर थे। उन्होंने दो साल पहले ही अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्हें इस प्रारुप में केवल 16 मैचों का ही अनुभव है। न्यूजीलैंड की टीम में पिछले साल टी20 विश्व कप में खेलने वाले सात खिलाड़ी शामिल हैं। इनके अलावा टीम में बल्लेबाज टिम रॉबिन्सन और तेज गेंदबाज विल ओरूर्के के रूप में दो नए खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

आईपीएल 2024 : शीर्ष दस खिलाड़ियों की सूची में शामिल हुए ऋषभ और नरेन

विराट ऑरेंज कैप , मुस्तफिजुर पर्पल कैप के दावेदार बने

मुम्बई ।

आइपीएल 2024 में आरसीबी का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है पर उसके स्टार खिलाड़ी विराट कोहली सबसे अधिक रनों के साथ ही ऑरेंज कैप के सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरे हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और दिल्ली कैपियल्स के बीच हुए मुकाबले के बाद आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में बदलाव आया है। इस मैच में शानदार प्रदर्षन कर दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत और केकेआर के सुनील नरेन भी शीर्ष दस खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। वहीं शीर्ष पर कोहली का कब्जा बना हुआ है। कोहली ने अब तक चार मैचों में 140 की स्ट्राइक रेट और 67 की औसत से शानदार 203 रन बनाए हैं। वहीं दूसरे स्थान पर राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग हैं, जिन्होंने तीन मैचों में 160 की स्ट्राइक रेट और 181 की शानदार औसत से 181 रन बनाए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन तीन मैचों में 219 की शानदार स्ट्राइक रेट और 83 की औसत से 167 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। ऑरेंज कैप के दावेदारों की शीर्ष टॉप 10 सूची में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत भी पहुंच गये हैं। ऋषभ ने केकेआर के खिलाफ मैच में केवल 25 गेंदों में ही शानदार 55 रन बनाए थे। वह अभी 152 रन और 158 की स्ट्राइक रेट तथा 38 की औसत के साथ चौथे स्थान पर हैं। वहीं दिल्ली के ही डेविड वार्नर पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वार्नर ने अब तक खेले गए 4 मैचों में 143 की स्ट्राइक रेट और 37 की औसत से 148 रन बनाए हैं।वहीं गेंदबाजी की बात करें तो सीएसके के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान सबसे अधिक विकेट लेकर पर्पल कैप की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। उन्होंने 12 ओवर में 7 विकेट लिए और 106 रन दिए। वहीं पहली बार आईपीएल खेल रहे मयंक यादव 8 ओवर में 41 रन देकर 6 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के युजवेंद्र चहल 10 ओवर में 55 रन और 6 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। गुजरात टाइटंस के मोहित शर्मा चौथे स्थान पर हैं, जिन्होंने 12 ओवर में 93 रन देकर 6 विकेट लिए थे। दिल्ली कैपिटल्स के खलील अहमद पर्पल कैप की सूची पांचवें स्थान पर हैं। तीन मैचों में जीत के साथ ही केकेआर के 6 अंक हैं। राजस्थान रॉयल्स के भी इतने ही अंक हैं पर रन रेट के हिसाब से केकेआर शीर्ष पर पहुंच गयी है।

सुनील नरेन ने अपनी अच्छी बल्लेबाजी का श्रेरु साल्ट को दिया

विशाखापत्तनम । कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के सलामी बल्लेबाज सुनील नरेन ने कहा है कि साथी फिलिप साल्ट के कारण ही वह आक्रामक बल्लेबाजी कर पाते हैं क्योंकि सॉल्ट उनके ऊपर बने दबाव को हटा देते हैं। नरेन ने यहां अपने आईपीएल करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया है। उन्होने 39 गेंदों पर 7 चौके और 7 छक्के लगाकर 85 रन बनाए जिससे उनकी टीम 272 रनों के स्कोर तक पहुंची। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम 106 रन से से मैच हार गयी। नरेन को अपनी शानदार बललबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। इसी के साथ ही वह केकेआर की ओर से सबसे अधिक 14 बार प्लेयर ऑफ द मैच का पुरुस्कार जीतने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इस प्रकार उन्होंने आंद्रे रसेल के 14 बार से खिताब जीतने की बराबरी कर ली। इस सूची में गौतम गंभीर के नाम 10 और यूसुफ पठान के नाम 7 बार ये खिताब जीतने का रिकार्ड भी है। नरेन ने कहा कि क्रिकेट पूरी तरह से बल्लेबाजी के बारे में है, इसलिए बल्ले से योगदान देना काफी अच्छा अनुभव है। साथ ही कहा कि मैं अपनी गेंदबाजी का भी आनंद लेता हूं। वही अबू धाबी नाइट राइडर्स के साथ निचले क्रम पर बल्लेबाजी करने को लेकर इस खिलाड़ी ने कहा कि वहां हमारे पास पर्याप्त बल्लेबाज होते थे। इसलिए उस समय मुझे पारी की शुरुआत करने की जरूरत नहीं पड़ी। वैसे भी हमें देखना होता है। उन्हें साल्ट के साथ बल्लेबाजी अच्छी लगती है क्योंकि वह उन पर से दबाव हटा देता है।

दीक्षांत समारोह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के लिए एक महत्वपूर्ण उत्सव है: राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया

सूरत। भगवान महावीर विश्वविद्यालय (बीएमयू) का तीसरा दीक्षांत समारोह 4 अप्रैल 2024 को आयोजित किया गया था। इस मौके पर असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे. विशेष अतिथि के रूप में सवजीभाई ढोलकिया भी उपस्थित थे।

भगवान महावीर विश्वविद्यालय (बीएमयू) के अध्यक्ष डॉ. संजय जैन ने दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस वर्ष 26 स्वर्ण पदक, 26 रजत पदक एवं 20 पीएचडी विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की जायेंगी। यह हमारा तीसरा दीक्षांत समारोह है और इस वर्ष विभिन्न धाराओं के 2061 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि हम सभी विद्यार्थियों को उनके उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं। बीएमयू न केवल छात्रों को शिक्षा प्रदान करता है बल्कि उन्हें प्लेसमेंट के माध्यम से रोजगार के अवसर भी प्रदान करता है। विश्वविद्यालय हर वर्ष रोजगार कार्यालय के माध्यम से मेगा जॉब फेयर का आयोजन कर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराता है। छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए भविष्य में उद्योगों को साथ लाया जाएगा। भगवान महावीर यूनिवर्सिटी स्थानीय उद्योगों के साथ मिलकर काम करने जा रही है. उद्योगों के लिए उपयोगी ज्ञान एवं प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार किये गये हैं।

दीक्षांत समारोह के अतिथि सवजीभाई ढोलकिया (उद्योगपति एवं सामाजिक कार्यकर्ता) ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह आपके जीवन का सबसे बड़ा दिन है कि असम के राज्यपाल आपको डिग्री प्रदान करने आए हैं। ऐसा छात्रों को बताया गया। आपको अपनी अध्ययन परीक्षा में डिग्री मिल गई है, लेकिन जीवन डिग्री परीक्षा आज से शुरू हो गई है। आप बहुत भाग्यशाली हैं कि आपके माता-पिता ने आपको यहां पढ़ने के लिए भेजा।

आपका जीवन कैसा होना चाहिए इसके बारे में आज ही सपने देखना शुरू करें और उसे हासिल करना शुरू करें। इतने दिनों तक पढ़ाई के बाद आपने क्या किया? डिग्री के साथ आप कुछ भी कर सकते हैं. आपका फोकस उस काम पर होना चाहिए. डिग्री लेकर बैठने से कुछ नहीं होगा. आज से निर्णय करो कि मेरा जीवन कैसा होगा, मेरी पदोन्नति कैसी होगी। आपको यह सपना देखना होगा कि मेरी डिग्री मेरे परिवार और देश को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने दीक्षांत भाषण में कहा कि मैं भगवान महावीर विश्वविद्यालय (बीएमयू) की टीम को इस संस्थान का नामकरण करने के लिए बधाई देता हूं, जो अपने आप में बहुत अनुकरणीय है। मेरा मानना है कि भगवान महावीर की स्थापना का मतलब है कि इस विश्वविद्यालय में भगवान महावीर के सिद्धांतों के आधार पर छात्रों का निर्माण किया जाएगा।

दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के लिए सबसे बड़ा उत्सव है। मैं उन सभी बच्चों को बधाई देता हूं जिन्होंने इतने वर्षों की कड़ी मेहनत, समर्पण और कड़ी मेहनत के कारण यह उपलब्धि हासिल की है। इस अवसर पर मैं उनके माता-पिता को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

लोसल नागरिक परिषद का होली स्नेह मिलन समारोह 7 अप्रैल को

सुरत भुमि, सूरत,। लोसल नागरिक परिषद द्वारा होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन रविवार, 7 अप्रैल को शाम चार बजे से घोड़ दौड़ रोड़ स्थित अग्रवाल समाज भवन में किया जाएगा। परिषद के अध्यक्ष श्यामसुंदर काबरा एवं सचिव मनमोहन शर्मा ने बताया कि आयोजन में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, मेधावी छात्रों का सम्मान, वरिष्ठ दंपति सम्मान, वरिष्ठ नागरिक सम्मान, स्वरूची भोज आदि कार्यक्रम होंगे। इस मौके पर लोसल निवासी गौसेवक महावीर प्रसाद पंसारी का नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। आयोजन में धोद के विधायक गोवर्धन वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में दस वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सरप्राइज़ गिफ्ट भी रखा गया है।

"गणगौर महल उत्सव" का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा गणगौर के उपलक्ष में "गणगौर महल उत्सव" का भव्य आयोजन गुरुवार को सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन के पंचवटी हॉल में किया गया। दोपहर ढाई बजे से आयोजित कार्यक्रम में गणगौर को नए अन्दाज़ में मनाया गया। सभी महिलाएँ महाराजा एवं महारानी के वेशभूषा में सज-धज कर आए। कार्यक्रम में गणगौर का गौर बंदोरा निकाला गया एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में रजवाड़ी थीम फैशन शो, डांस, इंस्टेंट फोटो, मिरर सेल्फ़ी एवं अनेकों गेम रखे गये थे। आयोजन में महिला शाखा की अध्यक्षा शालिनी कानोडिया, दीपाली सिंघल, सोनिया गोयल, आरती मित्तल, सीमा, सरोज, मधु, सुशीला सहित क़रीबन चार सौ महिलाएँ उपस्थित रहीं।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने बिल्कुल नया अर्बन क्रुजर टैसर लॉन्च किया: नई एसयूवी से "अपना रास्ता बनाएं"

मुंबई।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने ऑल-न्यू टोयोटा अर्बन क्रुजर टैसर लॉन्च किया, जो भारत में इसकी मजबूत और बहुमुखी एसयूवी श्रृंखला में नया शामिल हुआ गतिशील और मजबूत वाहन है। ए-एसयूवी सेगमेंट में कंपनी के पुन: प्रवेश को चिह्नित करते हुए, ऑल-न्यू टोयोटा अर्बन क्रुजर टैसर आधुनिक स्टाइलिंग, अत्याधुनिक सुविधाओं और उन्नत प्रौद्योगिकियों से प्राप्त प्रतिष्ठा की भावना प्रदान करने के लिए तैयार है। यह इसे भारतीय ग्राहकों के लिए एक आदर्श विकल्प भी बनाता है। नया उत्पाद एसयूवी श्रेणी में कंपनी की मजबूत उपस्थिति को और मजबूत करता है।

ऑल-न्यू अर्बन क्रुजर टैसर 1.0 लीटर टर्बो, 1.2 लीटर पेट्रोल और ई-सीएनजी विकल्पों में उपलब्ध है। 1.0 लीटर टर्बो 5 स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन और 6 स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में उपलब्ध है, इस प्रकार यह उन ग्राहकों के लिए एक बहुमुखी विकल्प प्रदान करता है जो पावर और प्रदर्शन दोनों को प्राथमिकता देते हैं। यह 1.2 लीटर पेट्रोल 5 स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन और इंटेलिजेंट गियर शिफ्ट (आईजीएस) में आता है और 1.2 लीटर ई-सीएनजी 5 स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन में भी उपलब्ध है।

ऑल-न्यू अर्बन क्रुजर टैसर 1.0 लीटर टर्बो विकल्प में 5500 आरपीएम पर 100.06 पीएस की अधिकतम शक्ति प्रदान करता है, जो मैनुअल के लिए 21.5* किमी/लीटर और ऑटोमैटिक (स्वचालित) के लिए 20.0* किमी/लीटर की सेगमेंट की सर्वश्रेष्ठ ईंधन दक्षता के साथ पावर पैक्ड ड्राइविंग अनुभव प्रदान करता है। 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन 21.7* मैनुअल और 22.8*(एएमटी) किमी/लीटर की ईंधन दक्षता के साथ 6000 आरपीएम पर 89.73 पीएस की अधिकतम शक्ति प्रदान करता है। ऑल-न्यू अर्बन क्रुजर टैसर ई-सीएनजी विकल्प में भी उपलब्ध है जो 28.5* किमी/किग्रा की ईंधन दक्षता प्रदान करता है ।

लोकार्पण के इस कार्यक्रम में उपस्थित टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के एमडी और सीईओ तथा टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन (टीएमसी) के क्षेत्रीय सीईओ श्री मसाकाजु योशिमुरा ने कहा, "उत्पाद पेशकश और उन्नत तकनीक दोनों के मामले में भारतीय बाजार हमारे लिए हमेशा सबसे महत्वपूर्ण रहा है। हम इस मामले में ध्यान रखते हैं और इसपर हमारा जोर रहता है। हाल ही में एक नए क्षेत्र के निर्माण से इसे और बल मिला है जहां भारतीय बाजार और महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह नए "भारत, मध्य पूर्व, पूर्वी एशिया और ओशिनिया क्षेत्र" के केंद्र के रूप में कार्य करते हुए और भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर में, हमारा मानना है कि कंपनी भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग में नए मानक स्थापित करने की आकांक्षा के साथ अपनी 25 साल की उत्कृष्ट विरासत को भुनाने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार है।

शरीर का उपयोग कष्ट उठाने के लिए नहीं, बल्कि साधना करने के लिए करें: आचार्य जिनसुंदरसूरीश्वरजी महाराज

सुरत भुमि, सूरत।

श्री शांतिनाथ जैन संघ-वेसु आँगन में वैराग्यवारिधि पूज्यवद आचार्यदेव श्री कुलचंद्रसूरीश्वरजी महाराज वर्षीतप विशेषज्ञ पू. आचार्यदेवश्री जिनसुंदरसूरीश्वरजी महाराज, पू. आचार्यदेवश्री रश्मिराजसूरीश्वरजी महाराज के सान्निध्य में धर्म सभा का सुंदर आयोजन किया गया। पू. आचार्यश्री ने धर्म सभा में समझाया कि शरीर, समय और धन का ध्यान रखें। जैसे हम साइकिल को 1 घंटे के लिए किराये पर लेते हैं। इसे 50 मिनट तक इस्तेमाल किया गया है। अगर आखिरी 10 मिनट में भी कोई काम हो तो उस काम के बाद हम 10 मिनट तक साइकिल का इस्तेमाल करते हैं। क्या 60-70 साल से मिली इंसानियत को छीन नहीं लेना चाहिए? शरीर देवताओं को भी दिया गया है, लेकिन वे शरीर का उपयोग केवल कष्ट भोगने के लिए करते हैं, जबकि मनुष्य को दिया गया शरीर साधना के लिए उपयोग किया जाना चाहिए। कोई नहीं जानता कि रोग कब शरीर को साधना करने में असमर्थ कर देगा। जब बुढ़ापा इस शरीर को कमजोर कर देता है और जब मृत्यु इस शरीर को नष्ट कर देती है। पूज्यश्री के ओजस्वी प्रवचन को सुनने के बाद श्रीसंघ ने वर्ष 2025 में समस्त वेसु के लिए सामूहिक वर्षीतप करने का निर्णय लिया और साथ में वैराग्यवारिधि पूज्यवद आचार्यदेव श्री कुलचंद्रसूरीश्वरजी महाराज 2025 एवं वर्षीतप प्रभावक पू. आ. चूंकि जिनसुंदरसूरीश्वरजी ने 2026 के चातुर्मास के लिए अनुरोध किया था, इसलिए पूज्यश्री ने निमेशभाई शाह के निवास पर गृहजिनालय की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित 18वें अभिषेक में निश्रा प्रदान की, और श्री श्रेयांशनाथ प्रभु की पहली सालगिरह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

डेटॉल अपनी नई मुहिम के साथ भारत के बड़े सपनों का जश्न मना रहा है; नया पहले से बड़ा डेटॉल साबुन लॉन्च किया गया

राष्ट्रीय।

कीटाणुओं से रक्षा करने वाला भारत के सबसे भरोसेमंद ब्रांड डेटॉल ने भारत की सफलता की कहानी का जश्न मनाते हुए एक नई मुहिम शुरु की है। उपभोक्ताओं को सुरक्षा प्रदान करने और उनके बढ़ते सपनों का सपोर्ट करने के वादे के साथ तीन फिल्में बढ़ती भारतीय महत्वाकांक्षाओं को दिखाती हैं। यह मुहिम बड़े 100 ग्राम डेटॉल बार साबुन (मल्टी-पैक) के लॉन्च को दर्शाती है, जो सभी के बीच स्वच्छता को बढ़ावा देने और भारतीय सपनों को हकीकत में बदलने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

डेटॉल ने दशकों से उपभोक्ताओं को कीटाणुओं से बचाने का काम बखूबी किया है, जिससे वे निडर होकर अपने सपनों को पूरा करने और सभी बाधाओं से लड़ने में समर्थ हो पाते है। भारत में उपभोक्ताओं ने डेटॉल पर हमेशा भरोसा दिखाया है और इसे अपना भरपूर समर्थन दिया है, जिससे आज यह घर-घर में सुरक्षा और स्वच्छता का पर्याय बन गया है। मुहिम की फिल्में युवाओं की माताओं और शिक्षकों की आंखों के माध्यम से इन प्रतिभाशाली बच्चों के सपनों की बात करती हैं, जो लक्ष्य को पाने में उनकी सफलता की कल्पना करती हैं।

नई मुहिम में, डेटॉल भारतीय उपभोक्ताओं के सपनों को हासिल करने में समर्थन की अपनी प्रतिज्ञा को दोहराता है। नए 100 ग्राम डेटॉल बार साबुन (मल्टी-पैक) की पेशकश के साथ, डेटॉल का लक्ष्य देश के साथ अपनी रिश्तों को मजबूत करना और अपने उपभोक्ताओं को बीमारी पैदा करने वाले कीटाणुओं से सुरक्षा प्रदान करके भारत के समग्र विकास में योगदान देना है। डेटॉल के प्रवक्ता ने कहा, "दशकों से, डेटॉल पूरे भारत में उपभोक्ताओं को बीमारी पैदा करने वाले कीटाणुओं से सुरक्षा प्रदान करने की मुहिम में अग्रणी रहा है। स्वास्थ्य और स्वच्छता को मौलिक अधिकार के रूप में सुनिश्चित करने के रेकिट के मिशन में शामिल होकर, हम उपभोक्ताओं की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने और विज्ञान पर आधारित कुशल समाधान प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहे हैं। नई मुहिम और बड़े 100 ग्राम डेटॉल बार साबुन (मल्टी-पैक) के साथ, हमारा लक्ष्य अधिक से अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंचना और कीटाणुओं से बचाव को और अधिक सुलभ बनाकर उन्हें बीमारी पैदा करने वाले कीटाणुओंट्ट से चिंतामुक्त होकर अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करना है। हम उपभोक्ताओं के उज्जवल भविष्य के लिए स्वच्छता और साफ-सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

मैककैन वर्ल्डग्रुप द्वारा तैयार की गई इस मुहिम में तीन विज्ञापन फिल्में शामिल हैं। फ़िल्में हर भारतीय के अंतरिक्ष यात्री, इंजीनियर या क्रिकेटर बनने के बड़े सपनों का जश्न मनाती हैं और नए बड़े डेटॉलबार साबुन (मल्टी-पैक) द्वारा प्रदान की गई कीटाणु सुरक्षा से उनके सपनों को पूरा करने का भरोसा देते हैं।

हायर इंडिया ने हेक्सा इन्वर्टर टेक्नोलॉजी के साथ एयर कंडीशनर की अपनी सुपर हेवी-ड्यूटी रेंज लॉन्च की

नई दिल्ली। लगातार 15 सालों से नंबर 1 ग्लोबल मेजर एप्लायंस ब्रांड 'हायर अप्लायंसेज इंडिया' ने सुपर हेवी-ड्यूटी एयर कंडीशनर की अपनी नवीनतम रेंज लॉन्च की है। हेक्सा इन्वर्टर और सुपरसोनिक कूलिंग टेक्नोलॉजी के साथ यह नई रेंज 20 गुना तेज कूलिंग और 65% बिजली की बचत करने में सक्षम है।

हायर इंडिया ने कस्टमर्स -इंस्पायर्ड इनोवेशन्स को तैयार करने और उन्हें बदलती जरूरतों के अनुकूल बनाने में अपना समर्पण जारी रखा है। नई रेंज मार्केट में एक हाई स्टैंडर्ड सेट करती है क्योंकि हेक्सा इन्वर्टर टेक्नोलॉजी, केवल 10 सेकंड में सुपरसोनिक कूलिंग, फ्रॉस्ट सेल्फ-क्लीन टेक्नोलॉजी और इंटेली कन्वर्टिबल 7-इन-1 जैसे एडवान्स फीचर्स पर बेस्ड है। समर में क्विक कूलिंग की मांग को पूरा करने और कस्टमर्स की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए, नई रेंज इनोवेशन, डिजाइन और ऊर्जा कुशलता को संगठित रूप से एकीकृत करती है।

हायर अप्लायंसेज इंडिया के प्रेजिडेंट एनएस सतीश ने लॉन्च पर कहा, "हायर में, हम नई टेक्नोलॉजीज बेस्ड प्रोडक्ट्स को डिजाइन करने में विश्वास करते हैं, जो हमारे कस्टमर्स के जीवन को आसान, सुविधाजनक और आरामदायक बनाते हैं। भारत एक्सट्रीम वेदर का अनुभव करता है, विशेषकर भीषण गर्मियों में। इन स्थितियों को ध्यान में रखते हुए हमने अत्यधिक तापमान में सुपर कूलिंग सुनिश्चित करने और यहां तक कि आराम, विश्वसनीयता और प्रदर्शन को अधिकतम करने के लिए हेक्सा इन्वर्टर टेक्नोलॉजी के साथ इनर्जी सेविंग का ख्याल रखने के लिए सुपर हेवी-ड्यूटी एयर कंडीशनर की नई रेंज डिजाइन की है। हम कस्टमर्स की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तैयार हैं और 2024 में डबल-डिजिट ग्रोथ रेट का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।"

सतीश ने कहा, च्चपिछले कुछ सालों में, हायर की एयर कंडीशनर रेंज में अपनी नवीन सुविधाओं और विश्वसनीय प्रदर्शन के कारण महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है। अपनी नई रेंज की शुरुआत के साथ, हायर का लक्ष्य भारत में एयर कंडीशनर श्रेणी में अपनी स्थिति मजबूत करना और विकास को बढ़ावा देना है।"

- हायर सुपर हेवी-ड्यूटी एयर कंडीशनर सभी प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक स्टोर्स पर 49,990 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध होंगे।
- लॉन्च ऑफर के रूप में, हायर 5 साल की व्यापक वारंटी प्रदान कर रहा है, जिसमें 15,990 रुपये की गैस चार्जिंग और 8,000 रुपये तक का कैशबैक ऑफर साथ ही, 1500 रुपये कीमत का फ्री स्टेंडर्ड इंस्टॉलेशन और 12 साल के लिए कंप्रेसर वारंटी शामिल है।

ऑक्सपफोर्ड ईएलएलटी ने विद्यार्थियों के लिए अपना ब्राण्ड् कैम्पेन 'ऑल अबाउट यू' शुरू किया

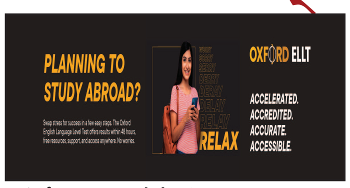

मुंबई । ऑक्स्फोर्ड इंग्लिश लैंग्वेरज लेवल टेस्ट (ऑक्ससफोर्ड ईएलएलटी) ने आज विद्यार्थियों के लिए अपने नये और एकीकृत ब्राण्ड् कैम्पेंन ऑल अबाउट यू की शुरूआत की है। गौरतलब है कि ऑक्स्फोर्ड ईएलएलटी एक अग्रणी अंग्रेजी भाषा परीक्षा प्रदाता, और ऑक्साफोर्ड इंटरनेशनल एज्युआकेशन ग्रुप का हिस्साद है। यह कैम्प्ने अपने नाम ही के अनुरूप है, क्योंकि इसका मकसद विद्यार्थियों का भविष्य् उन्हींक के हाथों में सौंप देना है। और इसके लिये वे भाषा की परीक्षा के समाधानों के सही प्रदाता को चुनेंगे। यह एकीकृत कैम्पेकन 1 अप्रैल, 2024 से लाइव होने जा रहा है और इसमें डिजिटल तथा आउटडोर को शामिल किया जाएगा। यह कैम्पेणन एपीएसी के महत्वकपूर्ण बाजारों – भारत, चीन, पाकिस्तािन और नेपाल में लाइव होगा।

यह कैम्पेगन विद्यार्थियों को ऑक्सेफोर्ड ईएलएलटी की विशिष्टण पेशकशों का झलक देता है और ऑक्संफोर्ड ईएलएलटी के परीक्षा समाधानों के विभिन्नक अनूठे लाभों को सामने रखता है। यह फायदे सुलभ, गतिशील, मान्यटता-प्राप्तव और सटीक होते हैं। कैम्पेखन भाषा की परीक्षा के सुलभ एवं लचीले अनुभव देने के लिये ऑक्सयफोर्ड ईएलएलटी की पेशकश पर रोशनी डालता है। इसमें लोग भाषा में दक्षता की अपनी यात्रा पर नियंत्रण के लिये समर्थ होते हैं। परीक्षा के गतिशील विकल्पों की पेशकश के द्वारा ऑक्स्फोर्ड ईएलएलटी सिर्फ 48 घंटों में तेजी से परिणाम सुनिश्चित करता है। इसमें लोग उच्च तर शिक्षा की यात्रा में तेजी से आगे बढ़ने के लिये सशक्तर होते हैं। यह कैम्पेसन दुनिया की 135 यूनिवर्सिटीज से मान्यमता-प्राप्त है और नवीकृत परीक्षाओं के माध्यम से सटीकता के लिये ऑक्संफोर्ड ईएलएलटी का समर्पण भी दिखाता है। इनमें एआई और ह्यूमन प्रॉक्टेरिंग सिस्टहम होता है, जिससे परीक्षा लेने वालों को विश्वसनीय एवं सुरक्षित वातावरण मिलता है।

इस कैम्पेकन पर अपनी बात रखते हुए, ऑक्स,फोर्ड इंटरनेशनल एज्युोकेशन ग्रुप में साउथ एशिया के रीजनल डायरेक्टकर अमित उपाध्या य ने कहा, 'हमारा मानना है कि भाषा में दक्षता पाना एक निजी सफर होता है। और 'ऑल अबाउट यू' हर व्यक्ति की अनूठी आकांक्षाओं के लिये अपनी सेवाओं को तैयार करने में हमारा समर्पण दिखाता है। अपनी टेस्टिंग में लचीलापन, गति, विश्वलसनीयता और सटीकता लाकर हम परीक्षा लेने वालों को उनकी उच्च। शिक्षा की यात्रा पर नियंत्रण देते हैं, वह भी आत्मनविश्वातस के साथ। हमने सावधानी से एक प्लेरटफॉर्म तैयार किया है, जो सटीक और तेज नतीजे देता है। यह हर पृष्ठतभूमि के विद्यार्थियों के लिये सुलभता भी सुनिश्चित करता है।''

ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम्स लिमिटेड ने मध्य पूर्व में अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में मजबूत विकास के लिए बायो कैटलिस्ट के साथ रणनीतिक साझेदारी में प्रवेश किया

अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों में अग्रणी कंपनी ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम्स लिमिटेड (ओआरएस) ने मध्य पूर्व बाजार में उद्यम करने के लिए अधिकृत वितरक बायोकैटलिस्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) में प्रवेश किया है। बायो का मुख्यालय कैलिफोर्निया में है। यह महत्वपूर्ण अनुबंध टिकाऊ समाधानों को आगे बढ़ाने में अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति ओआरएस की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है

एमओए उन शर्तों को स्थापित करता है जिनके तहत ओआरएस और बायोकैटलिस्ट संयुक्त रूप से सहयोग करेंगे। विभिन्न केंद्रीकृत और विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट विपणन और व्यवसाय विकास प्रबंधन (एमएसडब्ल्यू) परियोजनाएं। इस रणनीतिक सहयोग के माध्यम से, भागीदार चाहते हैं नवीन प्रौद्योगिकियों और तरीकों का परिचय और प्रचार जो अपशिष्ट प्रबंधन, उपचार और निपटान प्रक्रियाओं में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं। अपनी शक्तियों का संयोजन करेंगे. विपणन, व्यवसाय विकास और तकनीकी विशेषज्ञता में प्रगति ओआरएस और बायोकैटलिस्ट द्वारा वांछित है।

उत्कृष्ट सेवा की पेशकश करते हुए, खुद को मध्य पूर्व के अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया। ये ऐसे समाधान हैं जो न केवल प्रभावी हैं बल्कि पर्यावरण के अनुकूल और आर्थिक रूप से व्यवहार्य भी हैं। इस सहयोग का उद्देश्य पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करना और मध्य पूर्व क्षेत्र में सतत विकास को आगे बढ़ाना है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)